www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 40.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 98.700g

चांदी 97.000 kg

2 ट्रंप की टैरिफ नीति से सतर्क रहे भारत, समझौते पर आगे बढ़ने से पहले करना होगा गहन मंथन

रोक के बावजूद ग्रेटा थनबर्ग गाजा के लिए निकलीं 06

वर्ष :17 | अंक :66 | प्रयागराज ,शनिवार , 07 जून, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

ट्रक चालक की हत्या

गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र अंतर्गत वसुंधरा सेक्टर 13 में 30 वर्षीय एक ट्रक चालक की उसके परिचित ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान गेंदालाल पटेल के रूप में हुई है, जिसे चवन्नी के नाम से भी जाना जाता था। पुलिस ने बताया कि वह मध्य प्रदेश के गुन्नौर का रहने वाला था। अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद पुलिस ने बृहस्पतिवार को स्थानीय चाय की दुकान के मालिक रंजीत को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। इंदिरापुरम के सहायक पुलिस आयुक्त अभिषेक श्रीवास्तव ने पुष्टि की कि शव को बुधवार रात पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पटेल के शरीर पर दो फ्रैक्चर और कई अन्य चोट का पता चला है, जो एक क्रूर हमले का संकेत है। पुलिस के अनुसार, घटना मंगलवार रात करीब 10:30 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, गेंदालाल झुग्गी बस्ती में रंजीत की चाय की दुकान पर गया था। पुलिस के अनुसार, शराब पीने के बाद दोनों के बीच कथित तौर पर विवाद हो गया।

ओडिशा के कालाहांडी में पुलिस ने 6.5 टन विस्फोटक जब्त किया

ओडिशा के कालाहांडी जिले में पुलिस ने बृहस्पतिवार को लगभग 6.5 टन विस्फोटक और 115 डेटोनेटर जब्त किए तथा चार लोगों को गिरफ्तार किया। कालाहांडी पुलिस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि खनन अधिकारी द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर खनन विभाग और पुलिस द्वारा जयपटना पुलिस थाने के अंतर्गत लखबहाली में एक पत्थर खदान और क्रशर पर संयुक्त छापेमारी की गई। विस्फोटकों से लदे दो वाहन जब्त किये गये तथा दो चालकों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। कालाहांडी के एसपी नागराज देवरकोंडा ने बताया कि पता चला है कि वाहनों में नियमों का उल्लंघन करते हुए 6.5 टन विस्फोटक ले जाया जा रहा था। एसपी ने बताया कि पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। इस बीच, राउरकेला से मिली खबर के अनुसार पुलिस ने व्यवसायी श्रवण अग्रवाल को दो दिनों के रिमांड पर लिया है। इससे पहले भी उसे विस्फोटक चोरी के एक मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। राउरकेला के एसपी नितेश वाधवानी ने कहा, हमने उसे आगे की जांच के लिए दो दिन की रिमांड पर लिया है। अगर जरूरत पड़ी तो हम रिमांड बढ़ाने की अपील करेंगे।

पाक कभी भी ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनेगा तो शर्मनाक शिकस्त याद आएगी

पीएम मोदी ने चिनाब ब्रिज और अंजी पुल का किया उद्घाटन, वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी

उद्घाटन

जम्मू-कश्मीर को विकास की पटरी से उतारने के पाकिस्तान के मंसूबे पूरे नहीं होंगे: मोदी .छियालीस हजार करोड़ रुपये के निवेश से जम्मू-कश्मीर के विकास को नयी दिशा मिलेगी: मोदी .विकसित भारत के संकल्प में महत्वपूर्ण भागीदार बन गये हैं हमारे युवा : मोदी

एजेंसी

कटरा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेल पुल का उद्घाटन किया।प्रधानमंत्री के साथ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। उद्घाटन से पहले श्री मोदी ने पुल का निरीक्षण किया और इंजीनियरों तथा मजदूरों से बात की, जिन्होंने एक सपने को हकीकत में बदल दिया।चिनाब रेल पुल उत्कृष्ट वास्तुकला का जीता जागता उदाहरण है, यह नदी से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे का अर्द्ध चंद्राकार पुल है। यह उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पुल 1315 मीटर लंबा है। स्टील अर्द्ध चंद्राकार पुल पर भूकंप और तूफान का कोई असर नहीं पड़े, इस तरह से बनाया गया है।पुल पर ट्रेन की आवाजाही शुरू होने पर जम्मू और श्रीनगर के बीच सफर आसान हो जायेगा। पुल पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के माध्यम से, कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में महज तीन घंटे लगेंगे, जिससे मौजूदा यात्रा समय दो से तीन घंटे कम हो जायेगा।जम्मू और श्रीनगर के बीच 272 किलोमीटर लंबी यूएसबीआरएल परियोजना लगभग 43,780 करोड़ रुपये की लागत से बनायी गयी है, और इस दूरी को तय करने के दौरान 36 सुरंगें और 943 पुल आते हैं। यह परियोजना कश्मीर घाटी और देश के बाकी हिस्सों के बीच सभी मौसमों में निर्बाध रेल संपर्क स्थापित करती है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय गतिशीलता को बदलना और सामाजिक-आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है।

जम्मू-कश्मीर को विकास की पटरी से उतारने के पाकिस्तान के मंसूबे पूरे नहीं होंगे: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमला पाकिस्तान की बड़ी साजिश थी लेकिन जम्मू-कश्मीर को विकास की पटरी से उतारने के उसके मंसूबे पूरे नहीं होंगे।श्री मोदी ने पाकिस्तान की गोलाबारी से प्रभावित घरों के मालिकों की सहायता बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से रिहायशी इलाकों पर की गयी गोलाबारी में ज्यादा क्षतिग्रस्त मकानों के मरम्मत के लिए दो लाख रुपये और कम क्षतिग्रस्त हुए मकानों की मरम्मत के लिए एक लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी।

जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए, उसे आपने पूरा किया, पीएम मोदी का उमर अब्दुल्ला ने जताया दिल से आभार

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब इस परियोजना की नींव रखी गई थी, तब मैं 8वीं में पढ़ता था। अब मैं 55 साल का हो गया हूं और आखिरकार इसका उद्घाटन हो गया है। यह तभी संभव हो पाया जब अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे 'राष्ट्रीय महत्व की परियोजना' का दर्जा दिया और इसका बजट बढ़ाया। अपने जम्मू कश्मीर दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान जम्मू कश्मीर के

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है।

मोदी ने कहा कि पाकिस्तान की साजिश के खिलाफ जिस प्रकार जम्मू-कश्मीर के लोग उठ खड़े हुए हैं। जम्मू-कश्मीर की आवाम में इस बार जो ताकत दिखाई है, उसने सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं, दुनियाभर में आतंकवाद को खड़ा संदेश दिया है।

यूपी बिहार समेत 8 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

असम में 7 लाख लोग बाढ़ प्रभावित, 21 मौतें; एमपी-राजस्थान में आंधी-बारिश की चेतावनी

राजस्थान: 8 जिलों में आज बारिश का अलर्ट; जयपुर-कोटा सहित 12 शहरों में बरसात

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से गुरुवार को जयपुर-अलवर सहित 12 जिलों में बारिश हुई। वहीं, आज भी वहीं, 8 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद 7 जून से राज्य में हीटवेव का दौर शुरू होगा पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में मौसम सुहावना रहा। जयपुर, सीकर, झुंझुनूं समेत कई जिलों में गुरुवार सुबह से दोपहर तक बारिश हुई।

एजेंसी

नई दिल्ली , मौसम विभाग ने शुक्रवार को बिहार समेत पूर्वोत्तर के 7 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, 17 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। पश्चिमी राजस्थान, तमिलनाडु और पुडुचेरी में गर्मी-उमस की आशंका है। राजस्थान के 8 जिलों में आज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। 12 जिलों में गुरुवार को भी तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। वहीं, मध्य प्रदेश में शुक्रवार को लगातार 42 वें दिन आंधी-बारिश का अलर्ट है। भोपाल-इंदौर समेत 45 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है।इधर, देश के पूर्वोत्तर राज्यों में गुरुवार

को लगातार बारिश से बाढ़ और लैंडस्लाइड के हालात बने रहे। असम के 21 जिलों में करीब 7 लाख लोग प्रभावित हैं। बाढ़-भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। वहीं, भूस्खलन से प्रभावित उत्तरी सिक्किम के चाटेन से 63 लोगों को हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया गया।

64 लोग अब भी फंसे हैं।उधर,बर्फबारी के कारण हिमाचल प्रदेश में धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं में तापमान में भारी गिरावट आई है। धर्मशाला में तापमान 16 डिग्री दर्ज किया गया। मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ बॉर्डर तक पहुंच चुका है। इसने अब तक 18 राज्यों में दस्तक दी है। 10 जून तक मध्य प्रदेश पहुंच सकता है।

मोदी को सरेंडर करने की आदत, बिहार में बोले राहुल गांधी

असली जातिगत जनगणना नहीं करवाएगी भाजपा सरकार

राहुल गांधी ने एक सभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार कभी भी असली जातिगत जनगणना नहीं करवाएगी, क्योंकि जिस दिन इन्होंने असली जातिगत जनगणना कर ली, उस दिन इनकी राजनीति खत्म हो जाएगी। जातिगत जनगणना के दो मॉडल हैं- एक भाजपा वाला मॉडल, दूसरा तेलंगाना का मॉडल।

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक रणनीतिक कदम उठाते हुए, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को गया जिले के दशरथ नगर गांव का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, गांधी ने दशरथ मांझी के परिवार से मुलाकात की, जो गेहलौर गांव में एक पहाड़ को काटकर रास्ता बनाने के अपने उल्लेखनीय प्रयास के लिए प्रसिद्ध हैं। गांधी का दशरथ के बेटे भागीरथ मांझी ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने पारंपरिक आतिथ्य के साथ उनका स्वागत किया। नेता ने परिवार के साथ नारियल पानी साझा किया, वित्तीय कठिनाइयों के बारे में उनकी चिंताओं को सुना, और गंभीर चर्चा की।इसके बाद राहुल गांधी ने एक सभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार कभी भी असली जातिगत जनगणना नहीं करवाएगी, क्योंकि जिस दिन इन्होंने असली जातिगत जनगणना कर ली, उस दिन इनकी राजनीति खत्म हो जाएगी।

राहुल गांधी में अकेले चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं

अपने दम पर कुछ नहीं कर सकते, प्रशांत किशोर का तंज

प्रशांत किशोर ने कहा कि ये सब दिखावा है। राहुल गांधी और कांग्रेस ने जीवन भर लालू प्रसाद यादव का झंडा थामा है और अब तेजस्वी यादव का भी थामेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी में अकेले चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है...वे अपने दम पर कुछ नहीं कर सकते।

एजेंसी

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बिहार दौरे को लेकर तंज कसा है। प्रशांत किशोर ने सारण में कहा कि राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव के परिवार के बीच कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि ये सब दिखावा है। राहुल गांधी और कांग्रेस ने जीवन भर लालू प्रसाद यादव का झंडा थामा है और अब तेजस्वी यादव का भी थामेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी में अकेले चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है...वे अपने दम पर कुछ नहीं कर सकते। इससे पहले प्रशांत किशोर ने गुरुवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख अपने बेटे तेजस्वी यादव को बिहार का राजा बनाना चाहते हैं, जिन्होंने 9वीं कक्षा भी पास नहीं की है, जबकि आम लोगों के बच्चों को स्नातक करने के बावजूद नौकरी नहीं मिल रही है। राजद प्रमुख पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि वह केवल लालू यादव की प्रशंसा कर रहे हैं और लोगों को उनसे सीखना चाहिए कि अपने बच्चों की देखभाल कैसे करें।किशोर ने बिहार के सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें लालू प्रसाद यादव से सीखना चाहिए

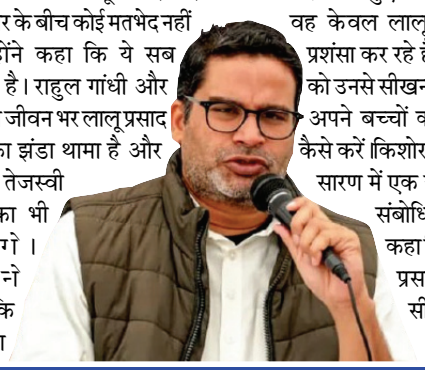

घोंडा इलाके में ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन से लेकर आईटीओ में राजस्व भवन में लगी आग

दिल्ली में एक दिन में आग लगने की 5 घटनाएं

एजेंसी

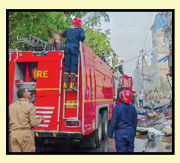

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के घोंडा इलाके में शुक्रवार (6 जून) को ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन में भीषण आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि कम से कम चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन विभाग के मुताबिक, फैक्ट्री के चार्जिंग स्टेशन में दोपहर करीब 2.49 बजे आग लगी। आग बुझाने के लिए चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है।

बेंगलुरु भगदड़ : सरकार की गैरजिम्मेदारी के कारण हुई त्रासदी...

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम शिवकुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज

हाईकोर्ट से कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन को मिली बड़ी राहत, दंडात्मक कार्रवाई पर रोक

तीन आयोजकों पर घटना में आपराधिक लापरवाही के लिए मामला दर्ज किया गया था, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 अन्य घायल हो गए थे, जब 4 जून को आईपीएल 18 विजेता आरसीबी को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ एकत्र हुई थी।

एजेंसी

सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ के सिलसिले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री शिवकुमार और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के खिलाफ कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने दावा किया कि यह घटना सरकार की गैरजिम्मेदारी के कारण हुई। स्नेहमयी कृष्णा ने कहा कि यह सरकार की गैरजिम्मेदारी के कारण हुई त्रासदी है। आरसीबी राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम नहीं है। यह शराब विक्रेताओं द्वारा खरीदी गई एक निजी टीम है।ऐसी स्थिति में राज्य सरकार को उन्हें आमंत्रित करने और उनका सम्मान करने की आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून और सुरक्षा के संबंध में किसी भी पूर्व तैयारी के बिना विधान सौध के सामने जल्दबाजी में आयोजित कार्यक्रम के कारण यह त्रासदी हुई। उन्होंने त्रासदी के लिए मुख्यमंत्री और डीसीएम को जिम्मेदार ठहराया।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को मिली जान से मारने की धमकी

जांच में जुटी पुलिस

गाजियाबाद पुलिस ने दिल्ली पुलिस को जान से मारने की धमकी के बारे में जानकारी दी। कॉल करने वाले का फोन फिलहाल बंद है और इस मामले की जांच चल रही है।

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को गुरुवार (5 जून) को पुलिस कंट्रोल रूम (पीसीआर) को कॉल करके जान से मारने की धमकी दी गई। पीसीआर कॉल कल रात करीब 11:00 बजे गाजियाबाद पुलिस को की गई। गाजियाबाद पुलिस ने दिल्ली पुलिस को जान से मारने की धमकी के बारे में जानकारी दी। कॉल करने वाले का फोन फिलहाल बंद है और इस मामले की जांच चल रही है। इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने शहर के सभी स्कूलों में वाटर वेंडिंग मशीनें लगाने का फैसला किया है।

तंज | कांग्रेस ने कसा मोदी पर तंज

प्रधानमंत्री श्रेय लेने में बहुत आगे... चिनाब पुल के उद्घाटन पर राजनीति तेज

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी ने कभी भी शासन में निरंतरता को स्वीकार नहीं किया, क्योंकि वह हमेशा आत्म-प्रशंसा और आत्म-प्रचार की तलाश में रहते हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल और उदमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे परियोजनाएं शासन में निरंतरता के उदाहरण हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ने एएनआई से कहा कि प्रधानमंत्री कभी भी शासन में निरंतरता को स्वीकार नहीं करते, क्योंकि वह हमेशा आत्म-प्रशंसा और आत्म-प्रचार की तलाश में रहते हैं। ब्रह्मोस मिसाइल भी शासन में निरंतरता का एक उदाहरण है। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि इस परियोजना को मार्च 1995 में मंजूरी दी गई थी जब पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे, उन्होंने कहा कि चिनाब ब्रिज के सभी अनुबंध 2005 में दिए गए थे।रमेश ने कहा, उदमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे परियोजना को मार्च 1995 में मंजूरी दी गई थी जब पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे। मार्च 2002 में, अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जब वह प्रधानमंत्री थे... चिनाब ब्रिज के सभी अनुबंध 2005 में दिए गए थे। उन्होंने कहा कि बारामूला से लेकर श्रीनगर, श्रीनगर से लेकर अनंतनाग, अनंतनागसे काजीगुंड और काजीगुंड से लेकर बनिहाल तक इस योजना का उद्घाटन 2014 से पहले ही कर लिया गया था... 272 किलोमीटर में से 160 किलोमीटर ट्रैक का उद्घाटन 2014 से पहले हो गया था। चिनाब पुल एक प्रतिष्ठित पुल है। हम भारतीय रेल को बधाई देना चाहते हैं। हम बधाई देते हैं, जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए यह बहुत महत्व रखता है और भारतीय रेल के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है... लेकिन कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री को याद दिलाना चाहती है कि उन्हें शासन में निरंतरता को स्वीकारना चाहिए... पहले की सरकार द्वारा जो काम किए गए हैं, प्रधानमंत्री उनका श्रेय लेने में बहुत आगे हैं। इसमें उनका कोई मुकाबला नहीं है। परियोजना में विभिन्न प्रधानमंत्रियों के योगदान की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर के लोगों और भारतीय रेलवे के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है, लेकिन निरंतरता में शासन को मान्यता दी जानी चाहिए। यह पिछले 30 वर्षों की सामूहिक उपलब्धि है... उन्होंने कहा कि लगातार प्रधानमंत्रियों ने इन परियोजनाओं को वास्तविकता बनाने के लिए काम किया है।इस बीच, शुक्रवार को कटरा के स्कूली बच्चों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इंतजार करते हुए उत्साह देखा गया।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ने एएनआई से कहा कि प्रधानमंत्री कभी भी शासन में निरंतरता को स्वीकार नहीं करते, क्योंकि वह हमेशा आत्म-प्रशंसा और आत्म-प्रचार की तलाश में रहते हैं। ब्रह्मोस मिसाइल भी शासन में निरंतरता का एक उदाहरण है।

बीजेपी ने मांगा सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार का इस्तीफा, सीएम का आया जवाब

एजेंसी

नयी दिल्ली। विपक्षी भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री परमेश्वर के इस्तीफे की मांग की। विपक्षी नेता आर अशोक ने इस दुखद घटना को क्रिकेट एसोसिएशन का कार्यक्रम बताकर जिम्मेदारी से बचने के लिए सिद्धारमैया की आलोचना की। अन्य नेताओं ने भी सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि भगदड़ में कई लोगों की मौत की सूचना मिलने के बाद भी मुख्यमंत्री ने होटल में खाना खाया और बादाम हलवा खाया। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार ने दबाव में आकर ही यह कदम उठाया है। आरसीबी और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कल मुख्यमंत्री ने अचानक बेंगलुरु सिटी पुलिस कमिश्नर समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और पांच अन्य अधिकारियों को निलंबित कर दिया। असली आरोपी कोई और नहीं बल्कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया हैं। आरोपी नंबर 2 उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार हैं। आरोपी नंबर 3 गृह मंत्री जी. परमेश्वर हैं। उनकी वास्तव में जांच होनी चाहिए।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार ने दबाव में आकर ही यह कदम उठाया है। आरसीबी और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कल मुख्यमंत्री ने अचानक बेंगलुरु सिटी पुलिस कमिश्नर समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और पांच अन्य अधिकारियों को निलंबित कर दिया।

सम्पादकीय

शिक्षकों की कमी से जूझते शिक्षा संस्थान, शिक्षकों की कमी को जल्द दूर करना चाहिए

वैश्विक जनसंख्या में भारत की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत है। इसके बावजूद उच्च शिक्षा के लिए आने वाले विदेशी छात्रों में भारत की हिस्सेदारी महज एक प्रतिशत है। शिक्षा बजट को मजबूती देने के लिए भारत सरकार ने 2004 में दो प्रतिशत शिक्षा उपकर लागू किया था। 2019 से इस शिक्षा उपकर को चार प्रतिशत शिक्षा एवं स्वास्थ्य उपकर से बदल दिया गया। जब हम विश्वगुरु बनने की बात करते हैं, तब शिक्षा संस्थानों की भूमिका की भी चर्चा करते हैं, लेकिन इस समय हमारे दस केंद्रीय विश्वविद्यालय नियमित कुलपतियों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसमें बीएचयू में छह माह और इग्नू में एक वर्ष से कुलपति के पद खाली हैं। पिछले महीने लगभग एक वर्ष के पश्चात शिक्षा मंत्रालय ने चार केंद्रीय विश्वविद्यालयों-बीबीएयू लखनऊ, ईएफएलयू हैदराबाद, पांडिचेरी और वर्धा हिंदी विश्वविद्यालय में कुलपति नियुक्त किए। विश्वभारती विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति दो साल बाद की गई। राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपति के लगभग 30 प्रतिशत पद खाली हैं। नियुक्तियों में देरी से शैक्षणिक और प्रशासनिक, दोनों कार्य बाधित होते हैं। महत्वपूर्ण पदों को अनिश्चितकाल तक रिक्त छोड़ना इन संस्थानों के विकास के लिए हानिकारक है। पहले से ही पुस्तकालयों एवं प्रयोगशालाओं जैसी सुविधाओं के अभाव से जूझते विश्वविद्यालयों की एक बड़ी समस्या शिक्षकों की कमी भी बन चुकी है। संसद के पिछले सत्र में शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बताया था कि 31 जनवरी, 2025 तक विश्वविद्यालयों में 5,410 से अधिक शिक्षकों के पद रिक्त हैं। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि राज्य विश्वविद्यालयों में 40 प्रतिशत से अधिक अध्यापकों के पद खाली हैं। देश भर में ज्ञान के नए-नए केंद्र तो खुल रहे हैं, पर उनमें अध्यापकों की कमी है। शिक्षकों की कमी के चलते शैक्षणिक सत्र समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। शिक्षकों के रिक्त पद भरने के मामले में यह नहीं कहा जा सकता कि योग्य शिक्षक नहीं हैं। तदर्थ नियुक्त अध्यापकों की संख्या प्राथमिक स्तर से लेकर विश्वविद्यालय तक निरंतर बढ़ती जा रही है। तदर्थ नियुक्तियों का दुष्प्रभाव केवल तात्कालिक नहीं होता। एक अध्यापक की नियुक्ति पीढ़ियों पर प्रभाव डालती है। ज्ञान केंद्रों को ऐसे तदर्थ शिक्षकों के हाथों में छोड़ देना कहां तक उचित है, जिन्हें अपने कल की चिंता अधिक हो? ज्यादातर जगहों पर इन्हें स्थायी अध्यापक की तुलना में सीमित या नगण्य सुविधाएं दी जाती हैं। मई 2024 तक उच्च शिक्षा में भारत का सकल नामांकन अनुपात 28.4 प्रतिशत था, जिसमें लगभग 1,200 संस्थानों में 4.3 करोड़ से अधिक छात्र नामांकित थे। यह आंकड़ा मौजूदा वैश्विक औसत 36.7 प्रतिशत से काफी नीचे है।

आज का विचार

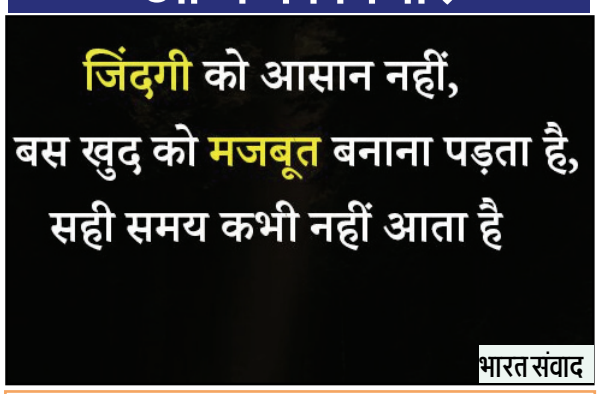

राशिफल

मेष राशि: आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जिसकी बातों से आपके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ेगा. ऑफिस में आपका अच्छा काम देखकर कलीग आपसे कुछ नया सीखेंगे। आप लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे इससे आपको गर्व महसूस होगा.

वृष राशि: व्यापार में अच्छा लाभ होने से आप अपनी नयी ब्रांच ओपन करने का विचार अपने घरवालों के साथ करेंगे. आपको परिवारवालों का पूरा सहयोग मिलने से कोई बड़ी समस्या का समाधान कर लेंगे. इस राशि के जो लोग संगीत के क्षेत्र से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन शुभ है.

मिथुन राशि: आप जिस काम को काफी दिनों से करने की सोच रहे थे, उस काम की शुरूआत आज से कर सकते हैं. जल्द ही आपको काम के अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे. जो लोग आपके विरोधी थे वो लोग भी आज आपसे दोस्ती का हाँथ बढ़ा सकते हैं.

कर्क राशि: आज आपका दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा. शुरूआत में आपको लगेगा कि आपके काम पूरे हो रहे हैं, लेकिन शाम होते-होते किसी काम में रुकावट भी आ सकती है. कोई भी जरूरी काम करने से पहले घर के बड़ों या किसी अनुभवी व्यक्ति से राय जरुर ले लें.

सिंह राशि : जो छात्र विदेश में हॉयर एजुकेशन के लिये जाना चाहते हैं, वो किसी से इस बारे में राय ले सकते हैं. आज रुपए पैसों की लेन-देन में आपको थोड़ी सावधानी रखने की जरूरत है. किसी को पैसे उधार देने से पहले अच्छेसे जांच-पड़ताल कर लें. बदलते मौसम में ध्यान रखने की जरूरत है

कन्या राशि : आप आपके कार्य जरूर सफल रहेंगे. जो लोग लंबे समय से अपनी कन्या के लिए वर की तलाश कर रहे हैं, उनकी तलाश आज पूरी हो सकती है. कन्या के लिए आपको सुयोग्य वर मिलने के योग हैं. कोर्ट-कचहरी के मामलों में भी आपको अच्छी खबर मिल सकती है. दाम्पत्य संबंधों में मधुरता आयेगी.

तुला राशि : किसी बड़े व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है. आने वाले समय में वह आपके लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा. जो लोग टूर एंड ट्रैवल के बिजनेस से जुडे हैं, उनके लिए दिन अच्छा रहने वाला है.

वृश्चिक राशि: आपको मन मुताबिक फल मिलेंगे. अगर आप अपने बिजनेस को किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट करना चाह रहे हैं, तो एक बार जगह अच्छे से देख लें. किसी के साथ पार्टनर शिप के लिए दिन अच्छा रहेगा.

धनु राशि: आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में उतारने में कामयाब रहेंगे. जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं, उनके लिए दिन बहुत-सी तरक्की दिलाने वाला रहेगा. आपकी पार्टी आपको कोई बड़ा पद भी दे सकती है. जनता के बीच आपका मान सम्मान भी बढ़ेगा.

मकर राशि : किसी सरकारी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी. स्वास्थ्य पर ध्यान देने की भी जरूरत है. किसी भी तरह की लापरवाही आपको नुकसान पंहुचा सकती है. जो लोग थोक विक्रेता है, उनको आज विशेष लाभ होगा.

कुंभ राशि: घर और बाहर हर जगह आपकी तारीफ होगी, हर कोई आपके अच्छे व्यवहार से प्रभावित होगा. समाज से जुड़े कार्यों को करने के लिये दिन उत्तम है. आप किसी एनजीओ की शुरूआत या किसी सामजिक संगठन से जुड़ सकते हैं.

मीन राशि : कला और साहित्य से जुड़े लोगों को आज प्रसिद्धि मिलेगी. आपको किसी बड़े ग्रुप से जुड़ने का मौका मिलेगा. ज्यादा से ज्यादा समय आप अपने घर वालों के साथ गुजार सकते हैं. आप सबके साथ कहीं घूमने जाने का प्लॉन भी बना सकते हैं. धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी. छोटे उद्योगों में निवेश के लिये दिन अच्छा साबित हो सकता है. किसी प्रोडेक्ट की मार्किटिंग के लिए भी दिन अच्छा है. आपकी पदोन्नति के आसार भी बन रहे हैं। अपने ईष्ट देव के आगे हाथ जोड़कर प्रणाम करें,

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ट्रंप की टैरिफ नीति से सतर्क रहे भारत, समझौते पर आगे बढ़ने से पहले करना होगा गहन मंथन

सच तो यह है कि ट्रंप की टैरिफ नीति अमेरिका का अहित करते हुए उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन को बढ़त दिलाने का आधार तैयार करेगी। अपने नागरिकों को आयकर से राहत दिलाने के फेर में ट्रंप उन्हें सस्ते चीनी सामानों की लत लगाने का जोखिम उठा रहे हैं। उनकी टैरिफ नीति अमेरिका के व्यापार साझेदारों के लिए किसी कड़े संदेश से कम नहीं।

पा अमेरिका की गिनती उन देशों में होती है, जो एक सुव्यवस्थित ढांचे से संचालित होता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी अप्रत्याशित नीतियों से इस ढांचे में हलचल मचाए हुए हैं। एक बड़ी हलचल उनकी टैरिफ नीति के कारण मची है और उसका असर दुनिया भर में है। वह अपनी टैरिफ नीति से दूसरे देशों पर नकेल कसने और अमेरिकी खजाने को भरने का सपना पाले हुए हैं। उन्होंने बड़े जोर-शोर से टैरिफ का एलान करते हुए उसे अमेरिकी इतिहास में ह्यलिबरेशन डेह्न यानी मुक्ति दिवस की संज्ञा दी थी। हालांकि अमेरिकी तंत्र के जरिये ही उनका यह सपना बिखरता दिख रहा है। उनकी टैरिफ नीति को कानूनी, आर्थिक एवं कूटनीतिक, सभी मोर्चों पर चुनौती मिल रही है। ट्रंप प्रशासन ने राष्ट्रीय आपातकाल का हवाला देते हुए जिस टैरिफ नीति की पैरवी की थी, उसे अमेरिकी संघीय अदालत ने राष्ट्रपति की प्राधिकारी शक्तियों की सीमा का उल्लंघन करार दिया। अदालत ने कहा कि कांग्रेस यानी संसद की निगरानी के बिना कार्यपालिका को अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियिम के प्रयोग का ऐसा अधिकार नहीं मिल सकता कि वह टैरिफ को लेकर मनमाने फैसले कर सके। वैसे अदालत ने ट्रंप की नीति पर अस्थायी रूप से रोक लगाई है और इसमें आगे सुनवाई जारी रहेगी, लेकिन वैश्विक व्यापार तंत्र पर इसके प्रभाव दिखने लगे हैंकानूनी मोर्चे से जुड़ा यह मामला टैरिफ नीति का आधा-अधूरा किस्सा है। व्यापार को लेकर ट्रंप का दृष्टिकोण विसंगितयों से भरा है।

वह टैरिफ को किसी अक्षय निधि के रूप में देख रहे हैं कि इसके चलते लोगों को आयकर से मुक्ति दिलाई जा सकती है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था का कायापलट हो सकता है। वास्तविकता के धरातल पर उनका यह भ्रम टूट रहा है।टैरिफ के जरिये सरकारी खजाने को भरने की ट्रंप की संकल्पना की न केवल अदालतों, बल्कि सामान्य आर्थिक सिद्धांतों के आधार पर भी हवा निकल रही है। दरअसल ट्रंप ने दोबारा सत्ता में वापसी के साथ ही पहले कार्यकाल वाले अपने ढर्रे को आगे बढ़ाना शुरू किया है। टैरिफ को हथियार बनाना, आपात शक्तियों का उपयोग करना एवं संसद को दरकिनार करना उनकी कार्यप्रणाली के मूल में है। राष्ट्रपति की कमान संभालते ही उनके प्रशासन ने अनाप-शनाप टैरिफ लगाकर कहा कि इसका उद्देश्य घरेलू उद्योगों को संरक्षण प्रदान करना और सरकारी खजाने की सेहत को सुधारना है, लेकिन अदालत ने उनकी इस राह में अवरोध पैदा कर दिया। अदालत ने कहा कि मनमाने आर्थिक फैसलों के लिए आपात शक्तियों को ढाल नहीं बनाया जा सकता। ट्रंप की टैरिफ नीति की वजह से विधायिका और कार्यपालिका के बीच जो असंतुलन पैदा हुआ, उसे अदालत ने संतुलित करने का काम किया है, लेकिन यह सिर्फ अमेरिका का घरेलू कानूनी मसला नहीं है। इसके चलते ब्रिटेन से लेकर भारत जैसे उन तमाम देशों के लिए अनिश्चितता बढ़ गई है, जो अमेरिका के साथ व्यापार समझौता वार्ता में लगे हैं। अगर राष्ट्रपति ट्रंप की मर्जी से टैरिफ नीति बने और अदालत उसे खारिज कर दे तो फिर कैसे स्थिर एवं दीर्घकालिक व्यापार समझौतों पर बात बन सकती है? वैसे ट्रंप के लिए यह कानूनी झटका आर्थिक मोर्चे पर भी उतना ही तगड़ा दिख रहा है। ट्रंप दोहरा रहे हैं कि दो लाख डालर से कम की आय वाले अमेरिकियों को आयकर नहीं देना होगा। इसके लिए वह विदेशियों की कमाई पर नजर गड़ाए हुए हैं। 2024 में अमेरिकी सरकार ने 4.9 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर राजस्व अर्जित किया। इसमें से केवल 100 अरब डालर की प्राप्ति आयात शुल्क से हुई। अगर इस साल मई तक इस संग्रह में 47 अरब डालर की बढ़ोतरी और मान ली जाए तो यह भी मामूली ही होगी। ट्रंप के सलाहकार पीटर नवारो का सुझाव है कि सभी आयात पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगाने से सालाना 600 अरब डालर का राजस्व मिल सकता है। यह आकलन भी बुनियादी गणित पर खरा नहीं उतरता। आखिर ऊंचे टैरिफ को टिकने के लिए आधार भी तो चाहिए। जब टैरिफ बढ़ते हैं तो सामान्य रूप से आयात की मांग घट जाती है और इसके प्रतिक्रियास्वरूप जितना लाभ मिलता है, उससे अधिक नुकसान होने की आशंका रहती है। पेन व्हार्टन बजट माडल ने इस हानि को लेकर एक बहुत व्यावहारिक आंकड़ा 290 अरब डालर सालाना का दिया है। द टैक्स फाउंडेशन ने करीब 140 अरब डालर का अनुमान व्यक्त किया है। ये सभी आकलन ट्रंप के आयकर से राहत दिलाने वाले उस सपने से बहुत दूर रह जाते हैं, जिसकी पूर्ति के लिए 2025 में ही 740 अरब डालर की लागत आएगी। सच तो यह है कि ट्रंप की टैरिफ नीति अमेरिका का अहित करते हुए उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन को बढ़त दिलाने का आधार तैयार करेगी। अपने नागरिकों को आयकर से राहत दलाने के फेर में ट्रंप उन्हें सस्ते चीनी सामानों की लत लगाने का जोखिम उठा रहे हैं। उनकी टैरिफ नीति अमेरिका के व्यापार साझेदारों के लिए किसी कड़े संदेश से कम नहीं। स्टील-एल्युमीनियम को लेकर ब्रिटेन के साथ बात बनते-बनते बिगड़ गई। जापान, कनाडा और यूरोपीय संघ भी यह आकलन करने में लगे हैं कि टैरिफ को लेकर ट्रंप के पैंतरे में आखिर कितना दम है। भारत के लिए भी यह नाजुक समय है। नई दिल्ली वाशिंगटन के साथ आर्थिक एवं तकनीकी संबंधों को लेकर सतर्कता के साथ कदम बढ़ा रही है। यह समय की मांग है कि यदि ट्रंप की टैरिफ नीति को ध्यान में रखकर ही अमेरिका से कोई समझौता किया जा रहा है तो उस पर गहराई से विचार किया जाए, क्योंकि ऐसा समझौता जोखिम भरा हो सकता है। भारत को केवल आर्थिक रियायतों की ही नहीं, बल्कि कानूनी सुनिश्चितता की भी गारंटी लेनी होगी। ध्यान रहे कि रणनीतिक धैर्य कोई सहूलियत नहीं, बल्कि आवश्यक पहलू है। ऐसा लगता है कि अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में लगे देशों को अदालती हस्तक्षेप के चलते कुछ राहत मिलेगी। अदालत के रुख से स्पष्ट है कि अमेरिका की व्यापार नीति न्यायिक निगरानी के दायरे से बाहर नहीं। आर्थिक आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं कि टैरिफ के दम पर किसी आधुनिक कल्याणकारी राज्य का संचालन संभव नहीं।

बदलते दौर में शहरीकरण हमें आहिस्ता-आहिस्ता मशीन बनाता जा रहा है

विजय गर्ग

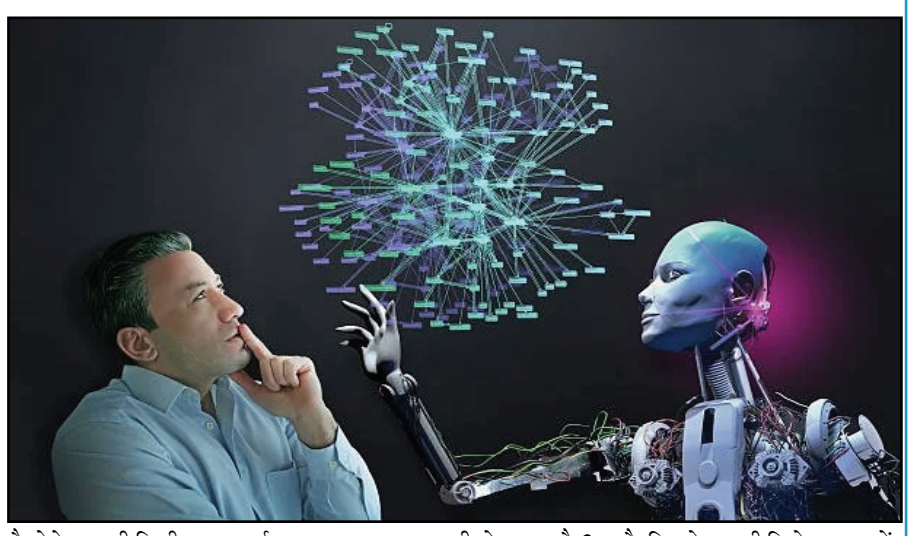

बढ़ता बाजारीकरण हम सबको धीरे-धीरे वस्तु में तब्दील कर रहा । साथ ही बदलते दौर में शहरीकरण हमें आहिस्ता-आहिस्ता मशीन बनाता जा रहा है, जिसमें हम अपनी सहजता खोते जा रहे हैं। अब तमीज के नाम पर अत्यधिक नाप-तोल कर बोलना, दूसरों से अलग दिखने की चाह रखना और व्यक्ति-व्यक्ति के बीच की दूरी बनाना ही प्रगति का परिचायक बनता जा रहा है। मगर इस सबमें हम, हमारा अपना होना कितना खोते जा रहे हैं, इसका हमें भान भी नहीं है । अब सोशल मीडिया पर हमारा आधे से ज्यादा समय मित्रों को बधाइयां देने में रहा है, लेकिन उन्हीं लोगों के बीच संवाद गायब है।

क्या हम याद कर सकते हैं कि हम खुलकर कब हंसे थे? अब हम हंसना भूलते जा रहे हैं। कई बार देखने में आता है कि लोग इसलिए किसी के दुख में शामिल होते हैं कि औपचारिकता निभानी है। शामिल नहीं हुए तो लोग क्या कहेंगे? इसलिए दुख के समय भी बहुत से लोग चुपचाप बैठे होते हैं, लेकिन उनकी आंखे और कान कुछ और ही ढूंढ़ रहे होते हैं। इस औपचारिकता में शब्द अपनी गहराई खो रहे हैं। किसी के सुख और दुख में शामिल होना उसे अंदर तक महसूस करना है । इसलिए सोशल मीडिया पर इतने मित्र होने के बावजूद हम कई बार इतनी रिक्तता महसूस करते हैं कि हमें अपने आसपास एक दोस्त नहीं दिखाई देता, जिससे हम मन की बात साझा कर सकें। कितनी ही बार लगता है कि आत्महत्या करनेवाला व्यक्ति अगर अपने मन की बात कह पाता तो शायद ऐसा नहीं होता ।हम हर दिन देखते हैं कि विभिन्न आयोजनों में मंचों पर या ढोल आदि पर नृत्य बेहद औपचारिक दिखाई देते हैं । उनमें वह तड़प दिखाई नहीं देती है। जो नृत्य हमारी आत्मा से होता हुआ शरीर से फूटकर बाहर आता है, वैसा नृत्य कितना स्वाभाविक होता है। ऐसे नृत्य की किसी धुन पर नर्तक का शरीर ही नहीं, रोम-रोम नृत्य करने लगता है। अब समूहों में होने वाले स्वाभाविक लोकनृत्य अपनी समृद्ध परंपरा खोते जा रहे हैं। एक जैसे बेजान नृत्यों की औपचारिकता वह आनंद नहीं देती ।आज सबसे ज्यादा समय हमारा स्मार्टफोन ले रहा है। एक ही कमरे में बैठे उस परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने फोन के स्क्रीन में गुम होते हैं। बच्चों को भी बड़ों को देखकर फोन की ऐसी लत लगने लगी है कि कई बार माताओं को छोटे बच्चों को खाना खिलाते समय भी सेलफोन हाथ में पकड़ाना पड़ता है। बहुत से परिवारों और परिजनों के बीच में महज औपचारिक बातचीत ही हो पाती है, जिससे उनके बीच एक दूसरे को न समझ पाना, कई प्रकार की भ्रांतियों का जन्म लेना, अविश्वास और दूरियां बढ़ते जाना जैसी स्थितियां बन रही हैं, जिनका सीधा रिश्तों पर असर पड़ता है।आज बाजार इस कदर हावी है कि हम अपने आपको हर तरह से आत्मनिर्भर मानने लगे हैं और यह अब हमारे व्यवहारों से झलकने लगा है कि मुझे किसी की जरूरत नहीं। इससे जीवन मूल्यों का भी ह्रास होने लगा है। भौतिक रूप से बने क्लोन पर तो रोक लगने की बातें भी हुई हैं, लेकिन रोबोट में भावनाएं डालने की बात अब की जा रही है। मगर क्या यह रोबोट हमारे सुख, दुख का साथी हो सकता है ? आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता का शोर जोरों पर है, लेकिन क्या वह कल्पना की उड़ान और उसके भाव पकड़ सकता है ?बाजार चमक रहे हैं, प्रचार हमें अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। अब त्योहारों का मतलब मिलना - तुलना कम और दिखना - दिखाना होता जा रहा है, जिसमें 'उसकी कमीज मेरी कमीज से सफेद कैसे ' की बू आती है। हम वस्तुवादी होते जा रहे हैं। कई मर्तबा हमें त्योहारों पर कपड़ों की जरूरत नहीं होती, तब भी हम खरीदारी कर रहे हैं, क्योंकि बाजार में नए चलन के कपड़े आ रहे हैं। त्योहारों पर मोबाइल या गाड़ी बदलना एक फैशन बनता जा रहा है। हम वस्तुओं में खुशियों को ढूंढ़ रहे हैं। हमारे पास मोबाइल नहीं है या कोई वाहन नहीं है तो इसे लेने का एक तर्क हो सकता है, लेकिन क्या हर बार नया ब्रांड लेना अनिवार्य है ? 'इस्तेमाल करो और फेंको' की संस्कृति फल-फूल रही है। ये चीजों का फेंकना ही नहीं है, बल्कि रिश्तों का भी अपने जीवन से निकालना है। हम जैसे चीजों से व्यवहार करते हैं, वह हमारे व्यवहार करने के तरीके का हिस्सा बनता जाता है और फिर वह मानवीय व्यवहारों से भी अछूता नहीं रहता है ।तकनीक एक सुविधा है, समाधान नहीं है। हमें सहयोग और ज्ञान साझा करने वाली संस्कृति को बचाए रखने की जरूरत है, जिससे आपसी रिश्ते मजबूत हों। जीवन में मुश्किलें हर एक के साथ अलग-अलग तरह की हो सकती हैं, लेकिन हम कैसे सहजता से उनका सामना करते हैं, यही जीवन जीने की कला है। यह कला हम सबके अंदर है, उसे बचाए रखने की जरूरत है। उसकी चमक को धूप और अंधड़ों से बचाए रखना है ।आज कैलकुलेटर मनुष्य से अधिक सटीक तरीके और तेजी से गणना कर - सकता है, लेकिन वह उपज मानव की ही है। मानव मस्तिष्क स्वाभाविक रूप से अवलोकन, सीखने और खोज के द्वारा विकसित हुआ है। मशीनों में कोई भावनात्मकता नहीं है। भावनाएं मानव मस्तिष्क को विकसित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाती हैं। मशीन वही कर सकती है, जिसके लिए उसे बनाया गया है। मशीन नया नहीं रच सकती, लेकिन मनुष्य नया रच सकता है। आज मशीनीकरण के चलते नया रचना कम होता जा रहा है। हमें सहयोग और ज्ञान साझा करने वाली ऐसी संस्कृति बनाने की जरूरत है, जिसमें रिश्ते मजबूत हों, उनमें स्नेह बचा रहे । इंसान सिर्फ दिमाग से ही नहीं, बल्कि अपने दिल से भी नियंत्रित होता है । मानव मस्तिष्क और हृदय निकटता से जुड़ा हुआ होता है। ये दोनों मिलकर उसे एक भावनात्मक रूप से संपूर्ण इंसान बनाते हैं, जिसका कोई तोड़ नहीं ।

वैश्विक परिदृश्य : विश्व युद्ध की काली परछाइयां

संजीव ठाकुर

भारत ने आतंकवादी संगठनों के विरुद्ध पहलगाम आतंकी हमले में 26 भारतीय निर्दोष नागरिकों की हत्या के विरोध में ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान पर ताबड़तोड़ हमले किए थे और पाकिस्तान को घुटने पर ला दिया है। भारत ने पाकिस्तान पर संयमित, अनुशासित हमला कर आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया है वहां किसी नागरिक अथवा सैनिक अड्डों पर बमबारी नहीं की और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर को कुछ समय के लिए पाकिस्तान के अनुनय विनय पर सिंधु जल समझौते तथा आतंकवादियों को वापस भारत भेजनें की शर्त पर चर्चा एवं शांति स्थापित करने के लिए स्थगित भी कर दिया है वैश्विक परिदृश्यः-ट्रंप के सत्ता में आने और युद्ध विराम की घोषणा और ट्रॅम्प पुतिन की गहन चर्चा,जेलेन्सकी को शांति की समझाइश के बावजूद वर्तमान युद्ध के परिदृश्य में और तेजी आई है,युद्ध के विराम की संभावनाएं धूमिल ही हुई है। भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहाद्र का सर्वकालिक समर्थक रहा है।रूस यूक्रेन युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध विराम हो जाए और इसके लिए भारत में अथक प्रयास भी किए हैं ,यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेन्सकी अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े है । ट्रंप की आधी अधूरी कोशिशें के बाद भी पुतिन-जेलेन्सकी युद्ध रोकने के लिए तैयार नहीं है ताजा स्थितियों के अनुसार यूक्रेन ने रूस के हवाई बेस कैंप के ऊपर हमला कर करोड़ों के फाइटर विमान को तबाह कर दिया है। यह रूस के ही निवासी यूक्रेन के आत्मघाती हमदर्दों द्वारा किया गया है। अब रूस निश्चित तौर पर अपनी अस्मिता अपनी इज्जत बचाने के लिए यूक्रेन पर परमाणु हमला भी कर सकता है जिसके परिणाम स्वरूप पूरे विश्व में विश्व युद्ध की परछाइयां दिखने लगी हैं। अब इजराइल हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है।

दूसरी तरफ इसराइल ने हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है।

इजरायल की बमबारी से घायल हुए पिलिस्तिनी नागरिकों के लिए 38 टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं भारत ने तत्काल मुहैया कराई है। भारत के संबंध अरब देशों के साथ-साथ यूरोप,अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस और नाटो देशों से भी मधुर हैं इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है। अब भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया ,120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया, 45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता और भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत को आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। भारतवर्ष अवार्चीन काल से अहिंसा का पुजारी रहा है भारत ने पाकिस्तान और चीन पर कभी अपनी तरफ से हमला नहीं किया पर उसे पर आक्रमण करने पर उसने कभी किसी को छोड़ भी नहीं है। पुरातन काल से ही राजा, महाराजा और सम्राटों ने अपने राज्य कार्य में हिंसा को कभी प्रथम पंक्ति में महत्त्व नहीं दिया तथा विस्तार वादी नीतियों में भी सेना प्रयास करती रही की आक्रमण के दौरान कम से कम सैनिक हताहत हो फल स्वरूप राजा, महाराजा तथा सम्राटो ने सदैव अहिंसा के पुजारी बनकर ही राजकाज किया थो पहले से आक्रमण न करने की नीति तथा अहिंसा वादी नीति के कारण भारत पहले मुगलों का तथा बाद में अंग्रेजों का गुलाम हो गया

मेजा में बोलेरो-बाइक की जोरदार टक्कर

मां की मौत, बेटा गंभीर रूप से घायल; परिजनों की शिकायत पर पुलिस कार्रवाई शुरू

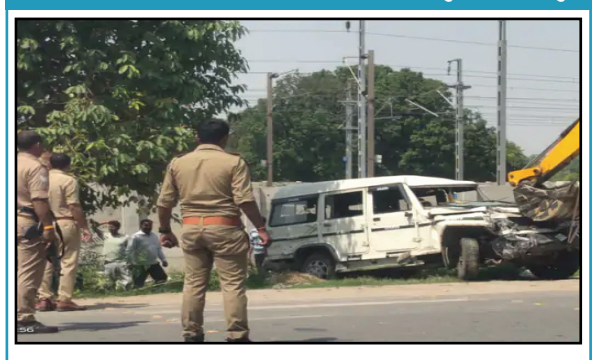

भारत संवाद

प्रयागराज, मेजा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। कठौली गांव के पास बोलेरो और बाइक की टक्कर में 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई। उसका 18 वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। मेजा के सपहा गांव की रहने वाली विमला देवी अपने बेटे सूर्यभान के साथ बाइक से करचना जा रही थीं। प्रयागराज-मुजार्पुर हाइवे पर कठौली गांव के सामने बेकाबू बोलेरो ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। मेजा थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय और मेजा रोड चौकी इंचार्ज रमेश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायल सूर्यभान को तुरंत अस्पताल भिजवाया। विमला देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है। मेजा रोड चौकी इंचार्ज के अनुसार, मृतका के परिजनों की लिखित शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है।

छात्रों ने आयोग ऑफिस घेरा

दोनों गेट बंद किए, प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया की मांग; बोले-हमें दावे नहीं, लिखित आदेश चाहिए

भारत संवाद

प्रयागराज, प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया की मांग को लेकर 8 दिन से धरना चल रहा है। जो महाधरने में बदल गया। छात्रों ने आयोग के दोनों गेटों को घेर लिया। इतना ही नहीं बाहर से बंद कर दिया। इस दौरान आयोग कर्मी अंदर ही बंद हो गए। इसके बाद जमकर नारेबाजी करने लगे। कहा- 'हमें दावे नहीं, लिखित आदेश चाहिए'। जानकारी पर सिटी मजिस्ट्रेट व एसीपी पहुंचे। जो छात्रों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान कई थानों की फोर्स बुला ली गई है। धरना लगातार चलेगा और रात दिन चलेगा उदय सिंह ने बताया-हमनें आयोग के दोनों गेट बंद कर दिए। आयोग के उप सचिव और अध्यक्ष ने हमें 10 दिन का वादा दिया था। वो भी पूरी मीडिया के सामने प्रशासन की मौजूदगी के सामने। लेकिन, आयोग के जो उप सचिव और

अध्यक्ष दोनों लोग यहां से लापता है। क्योंकि उनको पता है कि 10 दिन में दिया गया उनका आश्वासन। कहीं ना कहीं झूठ निकला। ये युवाओं के साथ धोखा है, छलावा है। इनको अपने दिए गए वादे को पूरा करना था। प्रशासन का डेलीगेशन मुझसे बात करने से पता नहीं क्यों बच रहा है। वो मुझसे बात नहीं कर रहा है। मेरे सवालों का जवाब नहीं दे पा रहा है। इसलिए नहीं बात करना चाह रहा है। आगे की रणनीति। आगे की रणनीति यही है जो हजारे छात्र प्रदेश से आए हैं वो कहां जाएंगे? इसलिए यहीं धरना लगातार चलेगा और रात दिन चलेगा है। अभ्यर्थियों ने अनुपात- समानुपात का भूत उतारने को हनुमान चालीसा पढ़ी 6 जून को अभ्यर्थियों ने मुर्गा बनकर आयोग के कार्यालय के चारों ओर घूमकर जुलूस निकाला था। सरकार से नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी करने की गुहार लगाई थी। आयोग की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय ने धरने पर बैठे कुछ अभ्यर्थियों से बात की, लेकिन अभ्यर्थी धरने से हटने को तैयार नहीं हुए। देर रात को अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार और आयोग का अनुपात-समानुपात का भूत उतारने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया। भजन कीर्तन किया। कहा- आज नहीं तो कल अंधेरे से प्रकाश की किरण निकलेगी।

डीएलएड प्रशिक्षुओं के प्रदेश अध्यक्ष रजत सिंह ने बताया कि प्रदेश के परिषद विद्यालयों में 1,81,276 पद रिक्त हैं। यह आंकड़ा प्रोजेक्ट एप्रूवल बोर्ड (पीएबी) की रिपोर्ट में भी दर्ज है। आंदोलन को राजनीतिक समर्थन भी मिल रहा है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मुद्दे को उठाया था। सांसद पुष्पेन्द्र सरोज ने लोकसभा में पीएबी रिपोर्ट का हवाला देते हुए नई भर्ती की मांग की थी।

फास्ट ट्रैक

22549/22550 (गोरखपुर - प्रयागराज-गोरखपुर) वंदे भारत एक्सप्रेस अब 16 कोचों के रेक के साथ संचालित होगी

भारत संवाद

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सीट उपलब्धता हेतु 22549/22550 (गोरखपुर - प्रयागराज-गोरखपुर) वंदे भारत एक्सप्रेस को अब स्थायी रूप से 16 कोचों के रेक के साथ संचालित किया जाएगा। पूर्व में यह ट्रेन केवल 8 कोचों के रेक के साथ चलाई जा रही थी, जिसे अब बढ़ाकर 16 कोच कर दिया गया है। यह परिवर्तन 08 जून 2025 से लागू होगा इस विस्तार से अधिक यात्रियों को वंदे भारत की सुविधाजनक, तेज और आधुनिक सेवा का लाभ मिल सकेगा।

थाना को0कटरा पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0कटरा पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः06.06.2025 को उप निरीक्षक संजय सिंह चौकी प्रभारी लालडिग्गी मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी प्रदीप केशरवानी पुत्र स्व0रामभजन निवासी लालडिग्गी थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चिल्ह पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः06.06.2025 को उप निरीक्षक रामकृपाल यादव मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी संतोष पुत्र चिगड़ी निवासी हरसिंहपुर थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना अहरौरा पुलिस द्वारा 350 ग्राम अवैध गांजा एवं गांजा बिक्री की धनराशि 240/- के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः05.06.2025 को उप-निरीक्षक बैद्यनाथ सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर ग्राम अधवार से अभियुक्त राजेश तिवारी पुत्र मुन्ना तिवारी निवासी अधवार थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से झोले में रखा हुआ 350 ग्राम अवैध गांजा एवं गांजा बिक्री की धनराशि ? 240/- नगद बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अहरौरा पर मु0अ0सं0-121/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

थाना अहरौरा पुलिस द्वारा युवती के साथ दुष्कर्म करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना अहरौरा, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः03.06.2025 को एक युवती द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी के घर में घुसकर वादिनी के साथ छेड़खानी करने एवं जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अहरौरा पर मु0अ0सं0-117/2025 धारा 74,333,351(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई।

उत्तर मध्य रेलवे ने हरित संकल्प के साथ मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

भारत संवाद

रेलवे बोर्ड के निदेर्शानुसार उत्तर मध्य रेलवे में विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़े का आयोजन 22 मई से 5 जून 2025 तक किया गया। इस पखवाड़े के अंतर्गत समस्त मंडलों, स्टेशनों, कारखानों, कॉलोनियों तथा डिपो आदि स्थानों पर विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियां एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन महाप्रबंधक श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी की अध्यक्षता में और प्रमुख मुख्य यांत्रिक अभियंता श्री अनिमेष कुमार सिन्हा के निर्देशन में संपन्न हुआ। सुबह 11 बजे, सभी विभागाध्यक्षों ने रेलवे बोर्ड द्वारा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरित शपथ ली। अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी ऑनलाइन माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। सायंकालीन सत्र में स्पंदन क्लब में स्काउट एवं गाइड के बच्चों द्वारा प्रस्तुत पृथ्वी माता और प्रदूषण पर आधारित एक सार्थक नुक्कड़ नाटक ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसके पश्चात महाप्रबंधक महोदय ने वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर मध्य रेलवे की

पर्यावरणीय उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई, तत्पश्चात प्रमुख मुख्य यांत्रिक अभियंता श्री अनिमेष कुमार सिन्हा ने पखवाड़े के दौरान यांत्रिक विभाग की उपलब्धियों, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव तथा पर्यावरणीय प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्वयं की लिखी एक पर्यावरण विषयक कविता भी प्रस्तुत की। इस अवसर पर श्री अनिमेष कुमार सिन्हा ने पखवाड़े के दौरान यांत्रिक विभाग की गतिविधियों, ग्रीनहाउस गैसों के दुष्परिणामों और पर्यावरणीय संरक्षण के प्रयासों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पर्यावरण पर आधारित एक प्रेरणादायक कविता का पाठ भी किया। अंत में महाप्रबंधक महोदय के द्वारा पर्यावरण से संबन्धित गंभीर विषयो के बारे में बताया, वृक्षारोपण के देखभाल के बारे में भी सूचनाएं दी तथा प्रदूषण को कम करने की अपील भी की। उन्होंने स्काउट-गाइड संगठन एवं पर्यावरण एवं गृहव्यवस्था प्रबंधन विभाग को उनके उत्कृष्ट योगदान हेतु रु 50,000 के पुरस्कार की घोषणा भी की। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती चेतना जोशी, श्रीमती ज्योति सिन्हा, श्रीमती ऋचा वर्मा आदि संगठन की पदाधिकारियों एवं सदस्याओं के साथ इस कार्यक्रम में उपस्थित रही। अपर महाप्रबंधक श्री जे एस लाकरा, प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर श्री यतेंद्र कुमार, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री एस एस चन्द्रायन, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री एस पी द्विवेदी, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री ब्रिजेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री रेनू पुष्कर, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री जे एस सी बोरा, मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज श्री रजनीश अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम का समुचित संचालन मुख्य पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक श्री शिवाजी कदम के नेतृत्व में पर्यावरण एवं गृहव्यवस्था प्रबंधन, इंजीनियरिंग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। दिनांक 5 जून को भी सभी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर स्थानीय प्रजातियों जैसे - आम, नीम, पीपल, आंवला, शरीफा, कटहल व कनेर - के वृक्षों का हाइब्रिड मियावाकी एवं क्लस्टर पद्धति से पौधारोपण किया गया। कई स्थानों पर पौधों की सुरक्षा हेतु फेंसिंग और ड्रिप सिंचाई व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई।

रंगारंग चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

भारत संवाद

फूलपुर, प्रयागराज ,भारतीय कृषक सहकारी लिमिटेड (इफको) फूलपुर इकाई ने पर्यावरण सप्ताह 2025 के अवसर पर आज दिनांक 6 जून को नर्सरी से कक्षा 4 तक के छात्र-छात्राओं के लिए एक रंगारंग चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य नन्हे बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रकृति के प्रति उनका लगाव बढ़ाना था।प्रतियोगिता में स्थानीय विद्यालयों से बड़ी संख्या में छोटे-छोटे बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने पेड़ लगाओ, पृथ्वी बचाओ, स्वच्छ पर्यावरण, हरी-भरी धरती, जल ही जीवन है जैसे विषयों पर सुंदर और रंग-बिरंगे चित्र बनाए। इन नन्हे कलाकारों की रचनात्मकता और पर्यावरण के प्रति उनके उत्साह ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया।इस अवसर पर इफको फूलपुर के कार्यकारी निदेशक (तकनीकी) श्री संजय वैश ने कहा, पर्यावरण की रक्षा

के बीज हमें बचपन में ही बोने चाहिए। आज के बच्चों की कल्पनाओं में एक स्वच्छ, हरित और सुंदर भविष्य की तस्वीर दिखाई देती है। इफको हमेशा ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करता रहेगा।ह्व इस अवसर पर उमेश कुमार वरिष्ठ प्रबंधक (पर्यावरण), मनोज कुमार प्रबंधक (पर्यावरण) डी के शुक्ला एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

भारत संवाद

माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन में एवं माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय के आदेशानुसार आज दिनांक 05.06.2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दीवानी न्यायालय, मीरजापुर द्वारा पर्यावरण संरक्षण एंव जागरूकता को लेकर एक विशेष कार्यकम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम हमारी धरती हमारा भविष्य के अर्न्तगत आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश-प्रथम श्री सन्तोष कुमार गौतम ने वृक्षारोपण करते हुए किया, तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारीयों तथा अधिवक्तागण को यह उपदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है कि वह पृथ्वी को स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित बनाये रखने में योगदान दें। इसके उपरान्त कार्यक्रम में उपस्थित सभी न्यायिक अधिकारीगणों ने एक-एक पौधे लगाये तथा पर्यावरणीय अधिकारों, दायित्वों एवं विधिक प्रावधानों की जानकारी उपस्थित अधिवक्ता एवं न्यायिक कर्मचारीगण के समक्ष साझा किया। प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर श्री विकास कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वस्थ्य पर्यावरण प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है, और इसकी रक्षा हेतु हम सब की जिम्मेदारी भी है। उन्होने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कानूनो जैसे पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 और वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की जानकरी उपस्थितजनो को दी। कार्यक्रम में न्यायिक कर्मचारीगण एवं अधिवक्तागणों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश-एससी/एसटी, श्रीमती रिचा जोशी, विशेष न्यायाधीश-पॉक्सो, श्री सुरेन्द्र कुमार राय, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / एफटीसी-द्वितीय, श्री चन्द्रगुप्त यादव, श्रीमान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्रीमती गरिमा सिंह, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्रीमती पल्लवी सिंह, सिविल जज (जू०डि०) सुश्री अणिमा मिश्रा, अपर सिविल जज (जू०डि०) श्रीमती रूचि भाटी, सविल जज (जू०डि०) चुनार, श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, सिविल जज (जू०डि०) / एफटीसी/महिला. श्री अभिषेक सिंह, सिविल जज (जू०डि०) / एफटीसी, सुश्री एश्वर्या यादव, न्यायालय प्रबन्धक, श्री अर्चित सिन्हा डिस्ट्रीक्ट बार एसोसियेशन के अध्यक्ष श्री सुशील कुमार दुबे, लिपिक / कम्प्यूटर आपरेटर, श्री रंजीत कुमार, एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार ने एम्बुलेंस सेवाओं के माध्यम से प्रदेश के 5.15 करोड़ से अधिक मरीजों का किया उपचार

भारत संवाद

किसी भी देश के स्वस्थ्य नागरिक उस राष्ट्र की समृद्धि के आधार स्तम्भ होते है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के निरोधात्मक, उपचारात्मक एवं संवर्धनात्मक स्वास्थ्य सेवाओं का पर्याप्त रूप से विकास एवं आमजन में प्रचार कर के लोगों को स्वस्थ रखने के लिए अधिकाधिक सफलता प्राप्त की जा रही है। प्रदेश के मरीजों को उपचार के लिए अस्पताल तक लाने हेतु 108 ई०एम०टी०एस० एम्बुलेंस सेवा आकस्मिक परिस्थितियों में रोगी को घटना स्थल से निकटवर्ती राजकीय चिकित्सा ईकाई तक पहुंचाये जाने हेतु यह निःशुल्क सेवा प्रदेश के हर जिले में संचालित है।108 एम्बुलेंस सेवा कॉल सेण्टर पर आधारित एम्बुलेंस सेवा है. जिसमें किसी भी आमजन द्वारा टोल फ्री नम्बर 108 डायल करके आकस्मिक परिस्थितियों में एम्बुलेंस की मांग कर सकता है।108 एम्बुलेंस सेवा प्रति दिन 24 घंटे 365 दिवस हेतु उपलब्ध रहती है। माह सितम्बर 2012 में प्रारम्भ की गयी 108 ई.एम.टी.एस एम्बुलेंस सेवा के प्रथम चरण में 108 एम्बुलेंस को शहरी क्षेत्र में 20 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 30 मिनट में रोगी तक पहुंचने का प्राविधान किया गया था। जुलाई 2019 से प्रारम्भ हुए द्वितीय चरण हेतु निष्पादित अनुबंध में उक्त अवधि को शहरी तथा ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लिये घटाकर रोगी तक 108 एम्बुलेंस को 15 मिनट में पहुंचाये जाने का प्राविधान कर दिया गया है इस अवधि में 108 एम्बुलेंस को रोगी तक पहुंचने की व्यवस्था को सुनिश्चित किये जाने हेतु 108 एम्बुलेंसों की फ्लीट को 1488 से बढ़ाकर 2200 कर दिया गया है। इस सेवा के द्वितीय चरण के संचालन के अन्तर्गत पूर्वी कलस्टर में 1517 एम्बुलेंसों एवं पश्चिमी कलस्टर में 683 एम्बुलेंसों का संचालन अनुबन्ध सेवा प्रदाता के माध्यम से मरिजों का इलाज कराया जा रहा है।108 एम्बुलेंस सेवा को अधिक सुलभ बनाये जाने के उद्देश्य से उपरोक्तानुसार एम्बुलेंसी की संख्या में वृद्धि के साथ ही प्रतिदिन प्रति एम्बुलेंस संचालित किये जाने वाले ट्रिप्स की संख्या में वृद्धि कर इसे 04 ट्रिप्स से बढ़ाकर 05 ट्रिप्स प्रतिदिन कर दिया गया है। 108 एम्बुलेंस सेवा के माह जनवरी, 2025 तक लाभान्वित कुल रोगियों की संख्या-3,51,96,532 है। 108 ई०एम०टी०एस० एम्बुलेंस सेवा में माह जनवरी, 2025 में एम्बुलेंसों का रिस्पान्स टाईम 07:30 मिनट हो गया है।प्रदेश के गम्भीर रोगियों की जीवनरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सुरक्षित परिवहन के लिए आधुनिक जीवनरक्षक प्रणाली से युक्त (एडवांस लाईफ सपोर्ट सिस्टम) 150 एम्बुलेंसी का संचालन दिनांक 13.04.2017 से प्रारम्भ किया गया था। इस सेवा की उपयोगिता को दृष्टिगत रखते हुये ए.एल.एस. एम्बुलेस सेवा में 100 अतिरिक्त एम्बुलेंसो को दिनांक 18.02.2019 से सम्मिलित किया गया है।प्रदेश में इस सेवा में वर्तमान में 250 ए.एल.एस. एम्बुलेंस संचालित है। ए०एल०एस० सेवा का संचालन मेडकेयर 365 मेडिकल सर्विसेज प्रा०लि० के माध्यम से किया जा रहा है। परियोजना की अवधि 05 वर्ष की है। जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/ नामित अधिकारी के काल के आधार पर कन्ट्रोल रूम से मरीजों को एम्बुलेंस उपलब्ध करायी जाती है।108 पर प्राप्त होने वाली सामान्य जनता की कालों हेतु आवश्यकतानुसार ए०एल०एस० एम्बुलेन्स उपलब्ध करायी जाती है। इमरजेंसी काल सेंटर (ई०आर०सी०) पर सूचना प्राप्त होने पर गम्भीर रोगियों को एम्बुलेंस में एडवांस उपचार के साथ-साथ उच्च स्तरीय इकाई पर पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है।

दिल्ली और चण्डीगढ़ से 200 किलोमीटर के अन्दर से आने वाले जनपदों के मरीजों को दिल्ली और चण्डीगढ़ के चिकित्सालयों में ही भेजा जा सकता है।

भक्ति संध्या परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश, डा मोहन यादव जी की गरिमामयी उपस्थिति

उज्जैन में माँ क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा पूर्ण होने पर रामघाट पर आयोजित भजन व भक्ति संध्या

भारत संवाद

- जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जलस्रोतों के संरक्षण हेतु विचार विमर्श
- लेजर शो द्वारा अध्यात्म और विज्ञान के अद्भुत संगम के दर्शन
- आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक गौरव की प्रतीक, माँ क्षिप्रा की निर्मल धारा हेतु संकल्प

उज्जैन, ऋषिकेश। उज्जैन की पावन धरती, जहाँ हर कण में अध्यात्म की सुगंध और संस्कृतियों की झलक है, वहाँ माँ क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा के सफल समापन अवसर पर रामघाट पर एक विशेष भजन एवं भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मां क्षिप्रा सहित नदियों के प्रति जागरण और संस्कृति के संरक्षण के संकल्प कराया गया। इस अवसर पर परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज एवं मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, डॉ. मोहन यादव जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष आध्यात्मिक ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। कार्यक्रम की शुरूआत माँ क्षिप्रा की आरती से हुई, जिसके पश्चात सुरों की भक्ति संध्या में श्रद्धालुओं ने झूमते हुए ह्यजल ही जीवन है, क्षिप्रा माँ की जय आदि भजनों का आन्नद लिया। इस

भक्ति संध्या में दौरान लेजर शो के माध्यम से अध्यात्म और विज्ञान का संगम, के साथ नदियाँ केवल जलधाराएँ नहीं हैं, बल्कि जीवनधाराएँ हैं का संदेश प्रसारित किया गया। लेजर शो में माँ क्षिप्रा की महत्ता, भारतीय संस्कृति में नदियों की भूमिका और जल संकट की गंभीरता को अत्यंत प्रभावशाली दृश्य प्रभावों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्रोतों के संरक्षण को लेकर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ। विगत सिंहस्थ कुम्भ में स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी 55 दिनों तक उज्जैन में रहे तथा मां क्षिप्रा जी की स्वच्छता, अविरलता और निर्मलता के लिये क्षिप्रा एक्शन प्लान का गठन किया। उस दौरान वृहद स्तर पर पौधारोपण का उस क्षेत्र में किया गया था जो आज एक सुन्दर उपवन बना कर तैयार हो गया है। स्वामी जी ने माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी से कहा कि माँ क्षिप्रा व माँ नर्मदा जी के तटों पर आरती का क्रम प्रारम्भ किया जाये जिसमें परमार्थ निकेतन पूरी तरह से हर सम्भव सहयोग करने के लिये तैयार है। इन दिव्य तटों पर वैदिक गुरूकुल, योग व ध्यान केन्द्र निर्मित करने हेतु भी माननीय मोहन यादव जी व मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन जी से स्वामी जी की विशद् चर्चा हुई। इस अवसर पर प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मध्यप्रदेश, श्री शिव शेखर शुक्ला जी, नवनिर्मित मेलाधिकारी, वाल्मिकपीठाधीश्वर माननीय सांसद श्री उमेशनाथ जी महाराज, माननीय सांसद श्री अनिल फिरोजिया जी और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा नदी का सूखना केवल जल संकट नहीं, संस्कृतियों का संकट है। जब नदियाँ बहती हैं तो पूरी धरा का जीवन मुस्कराता है। हमें नदियों को केवल संसाधन नहीं, साधना समझकर बचाना होगा। स्वामी जी ने क्षिप्रा नदी को माँ के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि यह सिर्फ उज्जैन या मध्यप्रदेश की नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा की अभिव्यक्ति है। जल है तो कल है। जल केवल प्यास बुझाने का माध्यम नहीं, यह धरती का प्राण है। आइए, हम सब मिलकर इस धरती की धमनियों अर्थात हमारी नदियों को स्वच्छ, अविरल व निर्मल बनाये। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार जल संरक्षण को लेकर प्रतिबद्ध है। हम आधुनिक विज्ञान और प्राचीन परंपराओं के संगम से नदियों की शुद्धता और निरंतरता सुनिश्चित करेंगे।

निमार्णाधीन पूर्ण परियोजनाओं का कार्यदायी संस्थाएं उपलब्ध कराएं पूर्णता का प्रमाण-हैण्डओवर की करे कार्यवाही -जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश विन्ध्य तीर्थ विकास परिषद के तहत निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा कर दिया आवश्यक दिशा निर्देश

भारत संवाद

मीरजापुर - जिलाधिकारी/ अध्यक्ष उत्तर प्रदेश विन्ध्य तीर्थ विकास परिषद प्रियंका निरंजन ने आज विन्ध्य तीर्थ विकास परिषद के मा0 सदस्य व अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा की गई तथा विन्ध्य कारीडोर में कराएं जाने वाले नए कार्यो की स्वीकृति पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने विन्ध्य तीर्थ विकास परिषद योजनान्तर्गत जनपद में कराए जा रहे विभिन्न ऐसे कार्यो जो पूर्ण बताया जा रहा है उन कार्यो का शत प्रतिशत पूर्णता प्रमाण पत्र सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाएं दो दिवस के अन्दर उपलब्ध कराएं तथा हैण्डओवर की कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाए। विन्ध्याचल विकास कार्यो की चर्चा में पुरानी वी0आई0पी0, न्यू वी0आई0पी0 कोतवाली मार्ग तथा पक्का घाट मार्गो के पाथ-वे पर शेड लगाए जाने की चर्चा की गई ताकि पैदल चलने वाले यात्रियो को धूप आदि से बचा जा सकें, जिस पर समिति के सभी सदस्यो के द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि चारो प्रमुख मार्गो व पाथ-वे पर किए गए अतिक्रमण को नगर मजिस्ट्रेट व पुलिस प्रशासन के द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाकर हटाया जाए। उन्होंने कहा कि पाथ-वे पर कतिपय दुकानदारो के द्वारा अपने सामानो को रखकर अतिक्रमण किया जा रहा है, बार-बार अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत चेतावनी देने के उपरान्त भी यदि कोई अतिक्रमण कर रहा हो तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए। शेड निर्माण के पश्चात विद्युतीकरण तथा शेड के अन्दर पंखा, लाइट आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि मन्दिर परिसर में स्थापित किए जाने वाले विग्रहो को स्थापित करने हेतु पारम्परिक व वास्तु शास्त्र के अनुसार स्थान चिन्हित करते हुए स्थापित करने की कार्यवाही की जाए। मां विन्ध्यवासिनी देवी के दूर दराज में रहने वाले भक्तो के द्वारा आनलाइन दान के लिए अलग से बैंक में खाता खोलने पर भी चर्चा की गई। इसी क्रम में कारीडोर परिसर व मन्दिर के लिए दो जनरेटर की व्यवस्था करने पर भी चर्चा की गई। बैठक में प्रस्तुत किए गए कार्यो की समिति के द्वारा स्वीकृति प्रदान करने के पश्चात जिलाधिकारी ने सम्बन्धित कार्यदायी संस्था/विभागो को निर्देशित करते हुए कहा कि यह सभी कार्य आगामी शारदीय नवरात्र के पूर्व प्रत्येक दशा में पूर्ण करा दिया जाए ताकि नवरात्र में श्रद्धालुओ सुविधा मिल सकें।

नाले पर किया अतिक्रमण जेसीबी ने किया ध्वस्त

महापौर ने नाले का निरीक्षण करते हुए अतिक्रमण पर जतायी थी नाराजगी

भारत संवाद

सहारनपुर। नगर निगम के अतिक्रमण हटाओ दस्ते ने आज अम्बाला रोड स्थित एक होटल द्वारा नाले पर किया गया अतिक्रमण ध्वस्त कर दिया। महापौर डॉ. अजय कुमार ने कल ब्रहस्पतिवार को इस नाले का निरीक्षण किया था और नाले पर किये गए अतिक्रमण पर नाराजगी व्यक्त की थी।महापौर डॉ. अजय कुमार के निदेर्शों के अनुपालन में आज निगम का अतिक्रमण हटाओ दस्ता अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा के नेतृत्व में अम्बाला रोड पर पैट्रोल पम्प के बराबर में स्थित होटल पर पहुंचा और होटल के बाहर साइड से गुजर रहे नाले पर डाले गए स्लैब व बनायी गयी दीवार जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दी। दीवार के पास रखा गया लोहे का एक बॉक्स भी वहां से हटवा दिया।

निगम की कार्रवाई से आज पूरे क्षेत्र में खलबली मची रही।

महापौर ने अतिक्रमण प्रभारी, अधिशासी अभियंता निर्माण व सम्पत्ति विभाग को उक्त नाले की रिकॉर्ड में वास्तविक चैड़ाई क्या है, तथ्यों सहित बताने के निर्देश दिए है। महापौर का कहना था कि होटल की साइड में नाला काफी चैड़ा है लेकिन सड़क पार नाला बहुत संकरा हो गया है। अतिक्रमण हटाओ दस्ते में कर्नल एच बी गुरुंग, मुख्य सफाई निरीक्षक परमानंद, सफाई निरीक्षक अमर ज्योति व प्रवर्तन दल के जवान मौजूद रहे।

निर्जला एकादशी पर लगायी मीठे जल की छबील

पशु-पक्षियों के बचाव हेतु आगे आयें: विजयकांत चैहान

भारत संवाद

सहारनपुर ;- शेरे हिन्द विजयकान्त चैहान भगत सिंह जुनियर संस्थापक वन्देमातरम मिशन एक चिंगारी ट्रस्ट के नेतृत्व में आज प्राचीन सिद्ध पीठ श्री गौ देवी मंदिर गौशाला नुमाइश कैम्प सहारनपुर में सेवा पक्षी अभियान के अंतर्गत भयंकर गर्मी और कड़कती तपती धूप व गर्मियों की लू से बचाव हेतु हर घर की छत पर पेड़ो पर व घर के बाहर चैक चैराहो पर दाना पानी रखने हेतु निःशुल्क 108 सेव पक्षी बॉक्स का वितरण किया गया सभी सेव पक्षी बॉक्स में पक्षियों के लिए निशुल्क दाना भी वन्देमातरम मिशन द्वारा पैकिट बनाकर दिया गया

विजयकांत चैहान ने कहा कि वन्देमातरम मिशन पिछले 20 वर्षों से भी ज्यादा समय से हर वर्ष गर्मियों में कड़कती धूप व लू से बचाने हेतु सेव चिड़िया अभियान चलाता है जिससे हजारों लोगों को पक्षयो को बचाने में जागरूक करने में सहयोग मिलता है विजयकान्त चैहान ने कहा कि जीव रक्षा धर्म हमारा है राष्ट्र रक्षा कर्तव्य हमारा है सेव चिड़िया अभियान से हमे बड़ी प्रसन्नता मिलती है हजारों जीवो पशु पक्षियों को बचाने के इस पुनीत अभियान से मिलने वाली सफलता और जनता की जागरूकता से मन बहुत प्रसन्न होता है क्योंकि हमारे देश के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कहते है किसी पर आप दया करते हो तो वो जीवन भर आपको याद करता है क्योंकि दया का उल्टा याद होता है। किसी का भला करो तो कर्म अनुसार इससे आपको लाभ होता है क्योंकि भला का उल्टा लाभ होता है इसलिए कर भला सौ हो भला अंत भले का भला सनातन धर्म पूरे ब्रह्मण्ड को अपना परिवार मानता है वसुदेव कुटुंब पुरी स्त्रष्टा मेरा परिवार है इस धरा पर रहने वाले सभी जीव जंतु पशु पक्षी मेरा परिवार है ये सनातन धर्म का मर्म धर्म और कर्म है

इन दौरान आज निर्जला एकादशी पर श्री गौ देवी मंदिर गौशाला नुमाइश कैम्प के बाहर कड़कती गर्मी से राहत हेतु राहगीरों की सेवा में सुबह 11 बजे से 3 बजे तक मीठे शर्बत का वितरण किया गया हजारों लोगो ने मीठे शर्बत के प्रशाद को ग्रहण किया

इस दौरान शेरे हिन्द विजयकान्त चैहान, सुशील चैधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष मानव अधिकार सेवा सुरक्षा सगठन आशा पार्ले राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा मानव अधिकार सेवा सुरक्षा सगठन चैधरी विकास पवार, निशा जैन, डॉक्टर पुष्पा मलिक, पूजा रानी पण्डित कृष्णानंद ,पूजा गिल्होत्रा ,स्मृति गुम्बर विश्वेश चनाना,सच्ची शर्मा आदि मौजूद रहे।

फास्ट ट्रैक

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

सहारनपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी वैद्य केशोराम मेमोरियल सोसायटी रजिस्टर्ड के तत्वाधान में एक संगोष्ठी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन , आर्य समाज कन्या इंटर कॉलेज मटिया महल खालापार में किया गया ।जिसमें बतोर मुख्य अतिथि बोलते हुए पदम श्री सेठपाल ने सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की तथा विभिन्न क्षेत्रों की 55 से अधिक प्रतिभाओ को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री मेला राम पंवार जी कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सुरेंद्र कपिल,पूर्व विधायक ने सभी का आभार जताया। डॉक्टर बीजेनदर पाल शर्मा, प्रेम कुमार शर्मा, आनन्द प्रकाश शर्मा व कार्यक्रम के संयोजक मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक बृजेश शर्मा ने संयुक्त रूप से मेधावी छात्रों को भी इस अवसर पर सम्मानित किया ।कार्यक्रम के दौरान सभा को संबोधित करने वालों में डॉक्टर ममता सिंघल वाइस प्रिंसिपल जेवी जैन डिग्री कॉलेज सहारनपुर, श्रीमती रुचि शर्मा ,रहे। कार्यक्रम में सम्मानित होने वाली प्रतिभाओ मे चंद्रशेखर शर्मा ,सुभाष शर्मा ,अरुण कुमार शर्मा बेहट,कविता नैन,मनोज शर्मा ननौता,रीतू शर्मा, ,अनिल शर्मा मझौल जबरदस्तपुर, ,दीपक शर्मा ,डॉक्टर एन के वर्मा, ममता, मुकेश धीमान, बृजेश पुंडीर, डॉक्टर अनिल कुमार महाराज सिंह कॉलेज,देशबंधु शर्मा सरसावा,संजय शर्मा, दीपक जैन, विशाल श्रीवास्तव,आशीष शर्मा बेहट,सुभाष शर्मा, अनिल शर्मा, रूचि शर्मा शामली,लोकेश पंवार, राम कुमार, को सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम मे अशोक कुमार, रविंद्र कुमार शर्मा, सचिन कपिल, अमित कपिल, डॉक्टर पी के शर्मा, राजेश शर्मा ,अरविंद कुमार , मोनिका शर्मा ,पारुल अग्रवाल, वेदांश शर्मा,छोटेलाल, ब्रह्म प्रकाश शर्मा, पंकज शर्मा,राकेश मोहन शर्मा,अमित वत्स, राजेश शर्मा, अरुण शर्मा ,राकेश वत्स, आदित्य शर्मा, रवि बक्शी,अंकित शर्मा,विशेष रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन बृजेश शर्मा अध्यक्षता पूर्व विधायक सुरेंद्र कपिल ने की।

शाकुंभरी रेंज में हुआ पौधारोपण कार्यक्रम

उत्साह के साथ लगाया गया एक पेड़ मां के नाम

सहारनपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शिवालिक वन प्रभाग, सहारनपुर की शाकुम्भरी रेंज के अन्तर्गत शाकुम्भरी बीट एवं रेंज परिसर शाकुम्भरी में वानिकी कार्यक्रम आयोजित किया गया ।कार्यकम में उपस्थित समस्त गणमान्यों द्वारा पर्यावरण हितैषी गतिविधियाँ अपनाकर शाकुम्भरी वन ब्लॉक कक्ष सं0-1 क्षेत्रफल-3.5 हे0 को त्रिवेणी वन की स्थापना की गई, जिसमें मुख्यतः पीपल, बरगद, नीम, कंजू, बांस, अर्जुन आदि स्थानीय प्रजातियों का सभी गणमान्य व्यक्तियों, अध्यापक, छात्र-छात्रायें, विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सभी ने उत्साह के साथ ष्एक पेड मां के नामष रोपण किया गया तथा सुरक्षा का दायित्व लिया गया। श्रीमती राखी पुण्डीर, ब्लाक प्रमुख, मुजफ्फराबाद एवं योगेश पुण्डीर, प्रतिनिधि ब्लाक प्रमुख मुजफ्फराबाद, सुश्री श्वेता सैन, प्रभागीय वनाधिकारी, शिवालिक वन प्रभाग, सहारनपुर तथा आशा मॉडर्न पब्लिक स्कूल, सहारनपुर के अध्यापकों द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यतः प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने, प्लास्टिक का प्रयोग न करने तथा ष्एक पेड मां के नाम 2.0षपौधारोपण करने हेतु जनमानस को जागरूक व प्रेरित किया गया।

डीएम ने किया अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत कार्यालय का औचक निरीक्षण

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों एवं सीसीटीवी कैमरा रिकॉर्डिंग को भी देखा गया। उन्होंने समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कार्यालय में ड्रेस कोड में उपस्थित हों। कार्यालय के कुल 33 कर्मचारियों में से 15 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। अधिकारियों से संबंधित कोई पंजिका नहीं मिली। अपर मुख्य अधिकारी अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी द्वारा साफ सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए

बकरीद पर चाक चौबंद इंतजाम करने में जुटा नगर निगम,ईदगाह के आसपास वॉटर स्प्रिंकलर के लिए निकली एंटी स्मोक गन

बकरीद पर खुले में पशु छोड़ना और-कुबार्नी के अवशेष फेंकना पड़ेगा मंहगा

डॉली शर्मा संवादाता महानगर /भारत संवाद

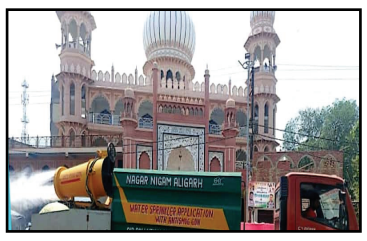

अलीगढ़। ईद-उल-अजहा को देखते हुये परम्परागत तीन दिन तक चलने वाली कुबार्नी के लिये पुख्ता इंतिजामों की समीक्षा करते हुये नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने अधीनस्थों को कुबार्नी के अवशेष सड़क,नाले व नालियों में फेकने वालों और खुले में पशुओं को छोड़ने वालों के विरूद्ध नगर निगम अधिनियम की धाराओं में जुमार्ना और वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये है ।अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव ने बताया कि 7 जून,को इदुल जुहॉ के अवसर पर ईदगाह,जामा मस्जिद, जमालपुर ईदगाह,जीवनगढ़ ईदगाह सहित छोटी बड़ी मस्जिदों में पढ़ी जाने वाली परम्परागत नमाज व तीन दिन तक होने वाली परम्परागत कुबार्नी को देखते हुये नगर निगम द्वारा शहरवासियों के लिये गाइड लाइन जारी की गयी है ।उन्होनें बताया कि इदुल जुहॉ में होने वाली कुबार्नी के अवशेषों को सड़क,सड़क की पटरी, नाले नालियों में न फेकें बल्कि नगर निगम के कूड़ेदानों/नियत स्थल पर ही डाले ताकि कुबार्नी के अवशेषो के कारण गंदगी से जनसामान्य को कोई असुविधा अथवा अप्रिय घटना न हो सके ।कुबार्नी के अवशेष सड़क व नाली में फेकने पर नियमानुसार विधिक कार्यवाई सम्बन्धित के विरूद्ध की जायेगी। उन्होनें कहा सभी पशुपालक दिनांक 7,8 व 9 जून को प्रातः 5 बजें से सायं 5 बजें तक अपने समस्त प्रकार के पशुओं को अपनी अभिरक्षा में रखेगे अन्यथा की स्थिति में यदि किसी पशुपालक के पशु सड़क पर घुमते हुये पाये जाते है तो उनको पकड़ कर सम्बन्धित पशुपालकों के विरूद्ध नगर निगम अधिनियिम 1959 की सुसंगम धाराओं के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही की जायेगी ।उन्होंने बताया जामा मस्जिद और सभी ईदगाह के आसपास नगर निगम द्वारा साफ सफाई का विशेष अभियान चलाया जा रहा है एंटी स्मोक गन से वाटर स्प्रिंकलिंग कराई जा रही है साथ ही साथ ईदगाह के आसपास लगी लाइटों को भी ठीक करा दिया गया है बाकी छोटी मोटी कमियों को शाम तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लिया जाएगा ।उन्होंने यह भी बताया कि यदि आवारा पशुओं के विचरण अथवा अपशिष्टों के खुले में फेकने-नाले-नालियों व सड़क पर फेंकने से यदि कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी सम्बन्धित व्यक्ति की होगी ।अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव ने बताया कि कुबार्नी के अवशेषों को उठाने/गदंगी होने की शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही हेतु नगर निगम कंट्रोल रूम को निरंतर कार्यशील रखा गया है। हैल्प लाइन नम्बर 7500441344, 05712750250, 1533 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

दिनेश गोयल आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत

भारत संवाद

सहारनपुर। राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल की अध्यक्षता में आईआईए की 309 वी केंद्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक आईआईए भवन, लखनऊ में आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2025-2026 के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य (सीईसी) के 21 सदस्यों द्वारा करते हुए वर्ष 2025-2026 के लिए आईआईए का राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल को मनोनीत किया गया।

वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल जिनका कार्यकाल 30 जून 2025 को समाप्त होने वाला है उनके द्वारा सर्वप्रथम वर्ष 2025-2026 के लिए दिनेश गोयल को आईआईए का राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर मनोनित होने पर बधाई देते हुए बताया किह्न दिनेश गोयल आईआईए के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके है।

केन्द्रीय कार्यकारिणी बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा वर्ष 2025-26 के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल एवं 6 केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्यों के मनोनीत होने पर सभी का फूल माला पहनाकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

केन्द्रीय कार्यकारिणी बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी सुनेजा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद मिगलानी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव अरोड़ा, नवनियुक्त केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण राजीव सिंघल, विशेष आमंत्रित सदस्य आर.के.धवन जी, एस.कुमार अरोड़ा, एफएसएसएआई वर्किंग ग्रुप चेयरमैन संजय बजाज के अतिरिक्त फॉर्मर प्रेसिडेंट संजय कौल, फॉर्मर प्रेसिडेंट जी0सी0 चतुवेर्दी, फॉर्मर प्रेसिडेंट अनिल गुप्ता, राष्ट्रीय फॉर्मर प्रेसिडेंट मनीश गोयल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अवधेश कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष चेतन देव भल्ला, विकास खन्ना, अदनान दानिश सिद्धकी सहित अनेक सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहें।

गौमाता सेवा समिति ने किया एफसीआई के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष बनने पर अलीगढ़ सासंद का स्वागत

डॉली शर्मा संवादाता महानगर / भारत संवाद

अलीगढ़। गौशाला नगला मसानी में केंद्र सरकार द्वारा बनाये गये एफसीआई के उत्तर प्रदेश चेयरमेन सांसद सतीश गौतम का स्वागत किया गया। जहां पर गौशाला के अध्यक्ष कृष्णा गुप्ता, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण लच्छो,महामंत्री मयंक गोयल ने कहा कि हरिगढ़ के लिए बहुत ही हर्ष की बात है जो तीन बार के सांसद चुने हुए सतीश गौतम को एफसीआई केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उत्तर प्रदेश का चेयरमेन नियुक्त किया है ।वहीं गौशाला कमेटी ने हार्दिक स्वागत करते हुए 101 किलो कि फूल माला पहना कर माल्यार्पण किया और पटका और मोती की माला देकर गौ माता का आशीर्वाद उनको दिया। इस दौरान चेयरमेन सतीश गौतम से गौ माताओं के भोजन के लिए समिति के सभी सदस्यों ने कहा कि गौशाला में प्रतिदिन लगभग 35 हजार रुपए का खर्चा गौ माता के भोजन के लिए किया जाता है जिसमें दलिया चूनी भूसी भूसा हरा चारा टमाटर खीरा तरबूज गोभी गौ माता को भोजन में दिया जाता है जबकि समिति ने अलीगढ़ सांसद से अपनी

गौशाला के लिए कुछ व्यवस्थाओं के लिए मांग रखी तब सांसद जी ने भी यथासंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया ।सांसद सतीश गौतम का स्वागत करने वालों में कृष्णा गुप्ता,लक्ष्मी नारायण लच्छो,मयंक गोयल,दीपक गुप्ता,अविनाश छोटू,गौशाला मीडिया प्रभारी विशाल देशभक्त,राजेंद्र प्रसाद नूतन लोक,विजय सांवरिया,मनोज चौधरी,संजय सिंह,ममता गुप्ता,संध्या गुप्ता,प्रभा सिंह,उमेश ऑटोमोबाइल्स,मनोज सेल्फी,विवेक सारस्वत और संजय शर्मा आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

वरिष्ठ कोषाधिकारी महालेखाकार प्रयागराज की अध्यक्षता में जनपद के समस्त आहरण वितरण अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई आयोजित

भारत संवाद

सुलतानपुर ,वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री जगजीत सिंह सोढ़ी के नेतृत्व में महालेखाकार प्रयागराज की आडिट टीम द्वारा जनपद के समस्त आहरण वितरण अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर प्रशिक्षु आई.ए.एस. रिदम आनन्द, सिटी मजिस्ट्रेट विदुषी सिंह उपस्थित रही। उक्त बैठक में वित्तीय बिल पारण कार्यों, त्रुटि रहित लेखा प्रेषण, ग्रांट इन एड भुगतानों के उपभोग प्रमाण पत्र प्रेषण, ए.सी./डी.सी. बिलों के समायोजन तथा अन्य वित्तीय कार्यों आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई तथा बैठक उपस्थित आहरण वितरण अधिकारियों द्वारा पूछे प्रश्नों का निस्तारण किया गया। मुख्य कोषाधिकारी अरविन्द कुमार सिंह द्वारा लेखा से सम्बन्धित अन्य जानकारियां प्रदान की गई। उक्त बैठक में उपकोषाधिकारी पांचू राम, कोषागार लेखाकार एल.बी. गुप्ता, प्रमोद वर्मा, नंदलाल आदि तथा जनपद के आहरण वितरण अधिकारी एवं लेखाकार उपस्थित रहे।

डंपर ने बाइक सवारों को कुचला, एक मरा, एक घायल

भारत संवाद

सहारनपुर। शुक्रवार की अल सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। रामपुर बड़गांव मार्ग पर शिवदासपुर गांव के पास खनन से लदे एक डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान बड़गांव थाना क्षेत्र के मयानगी गांव निवासी जॉनी (अमर सिंह का पुत्र) के रूप में हुई है। वह अपने पड़ोसी विक्की के साथ मोटरसाइकिल पर अपनी बहन से मिलने हंगावली जा रहा था। शिवदासपुर गांव के पास पुलिया पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर में जॉनी की मौके पर ही मौत हो गई। विक्की को गंभीर चोटें आईं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हादसे के बाद चालक डंपर समेत फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। चार घंटे से रामपुर बड़गांव मार्ग पर जाम की स्थिति बनी हुई है। परिजन और ग्रामीण आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस प्रशासन अवैध खनन पर नियंत्रण करने में विफल रहा है। डंपर चालक लापरवाही से वाहन चला रहे हैं। पुलिस प्रशासन परिजनों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाने का प्रयास कर रहा था इस बिच बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष जगपाल सिँह नानोता पार्टी के कार्यकर्ताओ के साथ पहुंचे उन्होंने मौके पर मौजूद आला अधिकारियो से मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता के लिए वार्ता की जिसपर मौजूद अधिकारियो ने हर सम्भव मद्त करने का आश्वासन दिया जिसके बाद ग्रामीणों में जाम को खोल दिया आपको बता दे की मृतक जॉनी की इसी वर्ष फरवरी माह में शादी हुई थी।

गौरक्षादल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन, समस्याएं बतायी

सहारनपुर। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आज विश्व अखाडा परिषद विभाग गौर रक्षा दल से जुड़े पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग की। डीएम को सौंपे ज्ञापन में अवगत कराया गया कि बकरीद के दिन गौ माता का बंध ना हो ये पूर्णतया सुनिश्चित किया जाए, सभी थानों क्षेत्रों में किसी भी के अवशेष को खुले में ना डाला जाये ऐसा न करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाये, बकरीद की नमाज को सड़क पर ना पढ़ा दिया जाये केवल, ईदगाह में ही नमाज पढ़ने दी जाये

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्याः 230-वि/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/562 दिनांकः 05.06.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क.वि./उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-क0वि0-कार्य ठेका-953-2025	कार्य अवधिः 03 वर्ष
कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल के झिंझक-दीन दयाल उपाध्याय खंड के टॉवर वैगनों के कमिंस मेक डीजल इंजनों के 'बी', 'सी' और 'डी' चेक और ब्रेकडाउन रखरखाव का तीन वर्ष की अवधि के लिए वार्षिक रखरखाव का कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	
अनुमानित लागतः ₹ 5,21,57,458.35	बिड सुरक्षा राशिः ₹ 4,10,800.00
बोली प्रणालीः एक पैकेट,	निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः27.06.25, 14.00 बजे
निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 27.06.25, 15.00 बजे	
एलोकेशनः Revenue 07042232	यूडब्लूआईडी नं0

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) बेवसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2.उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 988/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

जिलाधिकारी — शिकायत का समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ किया जाए निस्तारण

जिलाधिकारी ने शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर जनपद के 26 अधिकारियों को जारी किया कारण बताओ नोटिस

भारत संवाद

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों में असंतुष्ट फीडबैक तथा निस्तारण के समय शिकायतकर्ता से सम्पर्क न किये जाने के संबंध में जनपद के 26 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने 3 दिवस के अंदर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर माह जून का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अधीक्षक पीएचसी एवं सीएचसी गंगोह, अधीक्षक पीएचसी एवं सीएचसी नानौता, सचिव सहारनपुर विकास प्राधिकरण, खण्ड विकास अधिकारी गंगोह, खण्ड विकास अधिकारी सढौली कदीम, अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोनिवि, खान निरीक्षक, बंदोबस्त अधिकारी चकबन्दी, परियोजना अधिकारी डूडा, सहायक विकास अधिकारी पंचायत बलियाखेडी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत नकुड़, सहायक विकास अधिकारी पंचायत सरसावा, सहायक विकास अधिकारी पंचायत रामपुर मनिहारान, सहायक विकास अधिकारी पंचायत मुजफ्फराबाद, सहायक विकास अधिकारी पंचायत नानौता, पूर्ति निरीक्षक बेहट, जिला प्रोबेशन अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, उप जिलाधिकारी बेहट, सहायक श्रमायुक्त, अधिशासी अभियन्ता विद्युत/नोडल आईजीआरएस, जिला समाज कल्याण अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत छुटमलपुर, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं तहसीलदार रामपुर मनिहारान का वेतन रोकने के निर्देश दिए गये। मनीष बंसल ने कहा कि आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

कोलंबिया की रिवर ऑफ फाइव कलर्स अपने रंगीन पानी से कर रही है लोगों को हैरान

कोलंबिया में बहने वाली एक सुंदर नदी है, जिसका नाम है कैनो क्रिस्टल्स। दूर से देखने में रंगों के पैलेट समान दिखने वाली इस इंद्रधनुषीय नदी की खूबसूरती के कारण इसे 'दैवीय बगीचा' कहकर भी पुकारा जाता है। कैनो क्रिस्टल्स नदी सिर्फ कोलंबिया ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों को अपनी अनोखी खासियत से हैरान कर देती है। दरअसल, इस नदी में पांच अलग-अलग रंगों का पानी बहता है। पीला, हरा, लाल, काला और नीला रंग। पचरंगी पानी की वजह से नदी को 'रिवर ऑफ फाइव कलर्स' के नाम से भी पुकारा जाता है। इसके अलावा इसे 'लिक्विड रेनबो' भी कहते हैं। इसकी खूबसूरती को सराहने का सबसे बेहतरीन समय जून से लेकर नवंबर तक का है। इस दौरान सैलानी कोलंबिया का रूख करते हैं और नदी के नजारे का लुत्फ उठाते हैं। नदी के बदल रहे पानी की असली वजह कोई जादू या चमक नहीं है। इसकी असली वजह नदी के बीच उगने वाले पौधे हैं। इस खास पौधे का नाम 'मैकेरेनिया क्लेविगरा' है। इस पौधे की वजह से ही पूरी नदी का पानी रंगीन लगता है। इसके पीछे का विज्ञान ये है कि पानी की तलहटी में मौजूद पौधे पर सूरज की रोशनी पड़ते ही पानी का रंग लाल हो जाता है। धीमी और तेज रोशनी के हिसाब से पौधे की अलग-अलग आभा पानी के रंग पर झलकती रहती है।

सैर कर दुनिया की गाफिल, जिंदगानी फिर कहां... जिंदगी गर कुछ रही तो ये जवानी फिर कहां... ख्वाजा मीर दर्द का ये शेर सैर-सपाटे की अहमियत हमें बताता है। मशहूर लेखक राहुल सांकृत्यायन ने तो बाकायदा अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा के नाम से लेख ही लिख डाला था। उनका कहना था कि मेरी समझ में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वस्तु है घुमक्कड़ी। नई-नई जगहों के बारे में जानना और घूमना हमेशा ही एक अच्छा शौक माना गया है। कुछ लोगों के इसी शौक की वजह से हमें ऐसी जगहों की जानकारी भी मिल जाती है, जहां हरेक का जाना संभव नहीं है। तो चलिए आपको घुमा लाते हैं कनाडा की डॉसन सिटी।

एक ऐसी नदी जिसमें पानी के साथ-साथ बहता है सोना, अमीर बनने की चाहत में आते हैं लोग यहां

कनाडा की डॉसन सिटी उन्हीं जगहों में से एक है जो करीब सौ सालों से घुमक्कड़ों को अपनी ओर खींच रही है। शायद इसलिए भी कि यहां अमीर होने का मौका मिल जाता है। अमीर बनने की बात सुनकर यकीनन आपके दिल में भी इस जगह के बारे में जानने की ख्वाहिश जगी होगी। जैसा कि हमने आपको बताया कि डॉसन सिटी कनाडा में दूरदराज का एक शहर है। इसकी आबादी बहुत कम है और ये क्लोनडाइक नदी के किनारे बसा है। कहा जाता है कि इस नदी की तलहटी में सोना बिछा पड़ा है। 1896 में जॉर्ज कार्मेक, डॉसन सिटी चार्ली और स्कूकम जिम मेसन ने सबसे पहले इस नदी में सोना होने की बात बताई थी। जैसे ही नदी में सोने की खबर फैली इस शहर में लोगों का, खास तौर से सोना खोजने वालों का रेला लग गया। 1898 में इस शहर की आबादी महज 1500 थी जो कि रातों रात बढ़ कर तीस हजार हो गई। आज यहां की आबादी में खान में काम करने वाले हैं, कुछ कलाकार हैं, और कुछ वो लोग हैं जो खुद को इस शहर का मूल नागरिक बताते हैं। डॉसन सिटी के मेयर वेन पोटोरका का कहना है कि इस शहर की हमेशा से ही एक अलग पहचान रही है। यहां तरह तरह के लोग रहते हैं जो इस इलाके की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। इसे कनाडा के दीगर शहरों से हटकर एक अलग पहचान दिलाते हैं। डॉसन सिटी, ओगिल्वी पहाड़ों से घिरा हुआ है जो करीब दो हजार किलोमीटर तक फैला हुआ है। ये पहाड़ इस इलाके को खूंखार जंगली जानवरों से बचाता है। अगर आप क्लॉडिंग हाई-वे से जाना चाहते हैं तो व्हाइटहॉर्स से यहां तक पहुंचने में करीब सात घंटे का समय लगेगा। हाईवे की लंबाई करीब 533 किलोमीटर है। यूकॉन इलाका कनाडा का सबसे कम आबादी वाला इलाका है। इस इलाके की ज्यादातर आबादी वाइटहॉर्स में बसी है। वाइटहॉर्स

अलास्का, ब्रिटिश कोलंबिया और नॉर्थ वेस्ट के इलाकों से सटा हुआ है। डॉसन सिटी तक पहुंचने में आपको बहुत तरह के खूबसूरत कुदरती नजारे देखने को मिल सकते हैं। हर साल बड़ी तादाद में लोग डॉसन सिटी घूमने आते हैं। कुछ यहां कुदरत के खूबसूरत और दिलकश नजारे देखने आते हैं, तो कुछ यहां अमीर बनने की चाह में आते हैं। सोने की खोज करने वाले ये लोग मेहनत भी खूब करते हैं। सोने की खोज करने वाले ये लोग कई दशकों से इसी काम में लगे हैं। सोने की इस नदी के पास जमी रेत को बालटियों में इकट्ठा करते हैं, फिर उसे कई कई बार छानते हैं। नदी के पानी को छोटे-छोटे बर्तनों में रखकर जमाया जाता है। फिर इस बर्फ से सोने के टुकड़ों को अलग किया जाता है। सोने के ये टुकड़े कई शक्ल में होते हैं। ये मोतीनुमा भी हो सकते हैं, पतले छिलके के रूप में भी हो सकते हैं या फिर गुच्छे के आकार के भी हो सकते हैं। ये जरूरी नहीं कि सोने के ये टुकड़े हर बार ही मिल जाएं। बहुत मेहनत के बाद कुछ टुकड़े ही हाथ लग पाते हैं। सोना तलाशने के लिए यहां कोई रोक टोक नहीं है। कोई भी खुदाई करके यहां सोना तलाशने का काम कर सकता है। लेकिन फिर भी कुछ लोग यहां जमीन के टुकड़े खरीद लेते हैं, ताकि उस जगह से निकलने वाले सोने पर उनका ही हक रहे और कोई दूसरा वहां आकर खुदाई का काम ना कर सके। वो इस इलाके में मशीने भी लगा सकते हैं। हालांकि पिछली एक सदी से सोने के दामों में अक्सर ही उतार चढ़ाव देखने को मिलता रहा है।

आज की तारीख में चाय के एक चम्मच के बराबर का सोना 1300 डॉलर के हिसाब से बिकता है। डॉने मिशेल, डॉसन सिटी में साल 1977 में आई थीं। वो सोना निकालने का काम करती हैं। उन्हें हमेशा से ही अलग-अलग जगहों के बारे में जानने की उत्सुकता रही है। वो नई नई जगहों के बारे में जानकारी हासिल करने को एक खास तरह का इल्म मानती हैं। जब मिशेल को उनकी किसी परिचित ने इस जगह के बारे में बताया तो वो खुद को रोक नहीं पाईं और पहुंच गईं सोना तलाशने। डॉने मिशेल आज यहां आने वाले सैलानियों को सोना निकालने का तरीका सिखाती हैं।

डॉने मिशेल यहां खदान मजदूरों के साथ केबिन में रहती हैं। पास के चश्मे के पानी से अपनी प्यास बुझाती हैं और उसी के पानी से खाना बनाती हैं। हालांकि डॉसन सिटी आने से पहले उन्हें सोना निकालने का कोई तजुर्बा नहीं था। लेकिन, यहां रहते हुए उन्होंने ये हुनर सीख लिया और अब दूसरों को भी सिखा रही हैं। मिशेल कहती हैं उनकी जिंदगी बहुत आराम से गुजर रही है। वो पास के शहर में हर रोज काम के लिए जाती हैं और छुट्टी के दिन मजे से सोना तलाशती हैं या फिर आस पास के पहाड़ों में कुदरती नजारों का लुत्फ उठाती हैं। हालांकि वो अपने दोस्तों और रिश्तोंदारों से मीलों दूर रहती हैं, लेकिन कभी भी अपने घर की कमी का अहसास नहीं होता।

मिशेल को लगता है ये इलाका ही उनका घर है। मिशेल के मुताबिक एक इलाके की खुदाई पर खदान मजदूरों को काम करने की इजाजत तभी मिल पाती है जब उस इलाके का मालिक या तो मर जाता है या फिर वो अपनी खुशी से कुछ को काम करने की इजाजत देता है। यहां खदान मजदूर एक समुदाय की तरह से काम करते हैं। मिशेल को साल 1981 में पहली बार सोने की खदान में काम करने का मौका मिला था और तभी से वो इस समुदाय का हिस्सा बन गईं। साल 1984 में डॉसन सिटी में वुमेन्स वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ गोल्ड का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में मिशेल कामयाब हुईं।

कुछ सालों बाद यूकॉन ओपन गोल्ड पैनिंग का मुकाबला हुआ। इस मुकाबले में उनका सामना अपने ही साथियों लोगों से था। मिशेल उन सभी को खदान में काम करने के दिनों से जानती थीं। वो सभी अपने काम में माहिर थे। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वालों में मिशेल ही एक अकेली महिला थीं जिन्हें तमाम मर्दों से लोहा लेना था। दिलचस्प बात ये थी कि वो इस मुकाबले में भी कामयाब रहीं और यूकॉन ओपन का खिताब जीतने वाली पहली महिला बनीं। कई सालों तक मिशेल इसी तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेती रहीं। बाद में वो कई महिला खदान मजदूरों की कोच बन गई हैं। फिलहाल वो जैक लंदन म्यूजियम में इंटरप्रेटर के तौर पर काम कर रही हैं। साथ ही अपने अनुभव भी लोगों से साझा करती हैं। डॉसन सिटी में सोने की खुदाई का काम हमेशा से ही बड़े पैमाने पर होता रहा है। आज भी यूकॉन की 196 माइनिंग साइट में से 124 सिर्फ डॉसन सिटी में हैं। बोनांजा क्रीक डिस्ट्रिक्ट जो गोल्ड रश की मूल साइट है, वहां आज भी सबसे ज्यादा खदाने हैं। मिशेल के मुताबिक यहां सोने की खुदाई का काम अभी लंबे समय तक चलेगा। लोग इसी तरह यहां आते रहेंगे। हो सकता है, आप यहां गर्मी का एक मौसम गुजारने के इरादे से आएं, लेकिन कोई हैरत नहीं होगी अगर आप यहां तमाम उम्र के लिए बस जाएं. क्योंकि इस जगह में कशिश ही कुछ ऐसी है।

ये है दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम, घूमने में लग जाते हैं कई दिन

दुनिया के सबसे बड़े म्युजियम के बारे में क्या आप जानते हैं? शायद ही जानते होंगे आप। हम आज आपको उसी म्युजियम के बारे में बताने जा रहे है।

आप कभी न कभी म्यूजियम में घूमने तो गए ही होंगे। लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया में सबसे बड़ा म्यूजियम कहां पर है। अगर नहीं तो हम आपको बताते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम फ्रांस के पेरिस में है। इस म्यूजियम का नाम मुसी डू लौवर है। यह म्युजियम काफी पुराना भी है। इसी म्युजियम में मोनालिसा और वीनस डी मीलो की फेमस पेंटिंग रखी हुई है। यह म्युजियम इतना बड़ा है कि आप इसे एक दिन में नहीं देख पाएंगे। इसे घूमने के लिए कई दिन लग जाते हैं।

फ्रांस के पेरिस में है यह म्यूजियम

इस म्युजियम को पूर्व शाही महल में 1793 में खोला गया था। उस वक्त इस म्युजियम में 537 ड्रॉइंग की एक एग्जिबिशन लगाई गई थी। यह म्युजियम 60600 स्क्वायर फीट में है और यह सबसे बड़ा होने के साथ-साथ सबसे ज्यादा देखे जाने वाला और सबसे अमीर म्युजियम है। इस म्युजियम को देखने के लिए साल 2022 में 90 लाख लोग पहुंचे थे। इसमें 8 क्यूरेटोरियल विभाग हैं। इनका नाम मिस्र के पुरावशेष, पूर्वी पुरावशेषों के पास, ग्रीक, इट्रस्केन, रोमन पुरावशेष, इस्लामी कला, मूर्तिकला और सजावटी कला। इनमें 3 लाख 80 हजार से ज्यादा पुरानी वस्तुएं रखी गई हैं। ज्यादातर पर इसमें प्राचीन मूर्तियां, एंटिक आर्ट, ड्राइंग, पेंटिंग्स और पुरातात्विक खोज में मिली वस्तुएं रखी गई हैं।

म्यूजियम में 24 घंटे रहती है हाई सिक्योरिटी

इस म्युजियम की सुरक्षा के लिए हजारों सुरक्षाकर्मी हमेशा तैनात रहते हैं। इनके हाथों में आधुनिक हथियार होते हैं। कोई भी चोर इस म्युजियम से कुछ भी चुराने से पहले 10 बार सोचेगा।

रोक के बावजूद ग्रेटा थनबर्ग गाजा के लिए निकलीं

राहत सामग्री लेकर जहाज से ईद पर पहुंचेंगी; इजराइली सेना गिरफ्तार कर सकती है

एजेंसी

तेल अवीव, स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग जहाज से गाजा की यात्रा पर निकली हैं। वे अपने साथ गाजा के लोगों के लिए दवा, अनाज, बच्चों के लिए दूध, डाइपर और वाटर प्यूरीफायर ले जा रही हैं। इसमें उनके साथ 11 और लोग हैं जो मैडलीन नाम के एक जहाज पर सवार हैं। थनबर्ग अपनी टीम के साथ इटली के सिसली द्वीप से 1 जून को रवाना हुई थी। अगर कोई रुकावट नहीं हुई तो 2000 किमी की दूरी तय कर मैडलीन जहाज 7 जून यानी कि ईद के दिन गाजा पहुंच जाएगा। इस यात्रा का मकसद सिर्फ मदद पहुंचाना ही नहीं, बल्कि इजराइल द्वारा गाजा पर लगाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध जताना भी है। इस बीच इजराइल ने ग्रेटा थनबर्ग की इस यात्रा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। इजराइली सेना ने कहा कि वे जरूरत पड़ने पर जरूरी कदम उठाएंगे। हालांकि ग्रेटा और उनके

साथी इस अभियान को पूरी तरह शांतिपूर्ण और मानवीय बता रहे हैं। मैडलीन की लोकेशन लाइव ट्रैक की जा रही है। 4 जून को यह सिसिली से 600 किमी दूर था। मंगलवार रात को ग्रीस के तट से 68 किमी दूर एक ड्रोन इसके ऊपर मंडराता देखा गया, जो ग्रीक कोस्टगार्ड का था। इजराइल ने 2 मार्च से गाजा में राहत सामग्री की एंट्री पर पूरी तरह रोक लगा रखी है, जिससे वहां 23 लाख लोगों में से 93% भुखमरी का सामना कर रहे हैं। दर्जनों बच्चे भूख से मर चुके हैं। मैडलीन जहाज का मकसद इन लोगों तक मदद पहुंचाना है। मैडलीन जहाज फ्रीडम फ्लोटिला कोएलिशन (एफएफसी) का हिस्सा है। यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो गाजा पर लगी इजराइली नाकेबंदी को चुनौती देने के लिए मानवीय अभियानों को चलाता है। यह जहाज दक्षिण इटली के कातानिया पोर्ट से रवाना हुआ है और इसमें जीवन रक्षक सामग्री लदी हुई है। एफएफसी ने इसे एक शांतिपूर्ण नागरिक प्रतिरोध बताया है। उनके मुताबिक, जहाज पर सवार सभी कार्यकर्ता और चालक दल के सदस्य अहिंसा के सिद्धांत में प्रशिक्षित हैं और यह मिशन पूरी तरह से शांतिपूर्ण है। शुरूआत में इजराइल इस जहाज को गाजा में डॉक करने की अनुमति देने के लिए विचार कर रहा था, बशर्ते कि यह सुरक्षा के लिए कोई सुरक्षा खतरा न बने। लेकिन इजराइल की सरकारी ब्रॉडकास्टर केएएन के मुताबिक, अब सरकार ने अपना फैसला बदल लिया है। अब इजराइल का तर्क है कि अगर एक बार मैडलीन जैसे जहाज को मंजूरी दी गई, तो आगे चलकर इस तरह की कोशिशों को बढ़ावा मिलेगा। इससे इजराइल के समुद्री प्रतिबंध कमजोर पड़ सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ सकता है।

इसलिए सरकार ने यह साफ कर दिया है कि मैडलीन को गाजा तट से पहले ही रोक दिया जाएगा। इससे पहले भी एफसीसी के कॉन्साइंस नाम के जहाज ने मई 2025 में एक और कोशिश की थी। हालांकि, इजराइल ने उसे परमिशन नहीं दी थी। येरुशलम पोस्ट के मुताबिक इजराइली अधिकारियों ने कहा कि वे किसी भी हाल में मैडलीन को तट पर उतरने की इजाजत नहीं देंगे।

सरकार से हटते ही मस्क बोले-ट्रम्प को पद से हटाएं

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- इलॉन पागल हुए, उनके सरकारी ठेके और सब्सिडी खत्म कर देंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार से हटते ही इलॉन मस्क खुलकर उनका विरोध कर रहे हैं। गुरुवार रात को मस्क और ट्रम्प के बीच तीखी बहस हुई। बहस इतनी बढ़ी कि मस्क ने ट्रम्प को पद से हटाने की बात कह दी। मस्क ने कहा उनकी मदद के बिना ट्रम्प चुनाव नहीं जीत पाते। ट्रम्प के 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को फिजूलखर्ची बताते हुए उन्होंने कहा उन्हें पद से हटा देना चाहिए। उनकी जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को राष्ट्रपति बनाया जाना चाहिए। इलॉन मस्क के हमलों से नाराज ट्रम्प ने कहा कि मस्क पहले इस बिल पर खामोश

रहे और सरकार से हटते ही पलट गए। वे पागल हो चुके हैं। उन्होंने मस्क की कंपनियों के सरकारी ठेके और सब्सिडी खत्म करने की धमकी भी दी। ट्रम्प ने गुरुवार रात करीब 9:35 बजे मीडिया से बात की। पत्रकारों ने पूछा कि मस्क ने आपके बिग ब्यूटीफुल बिल (टैक्स और खर्च बिल) की आलोचना की है। इसके बारे में आप क्या कहेंगे? इसके जवाब में ट्रम्प ने कहा- मुझे हमेशा से इलॉन पसंद रहे हैं। आपने देखा होगा कि उन्होंने मेरे लिए क्या कहा, उन्होंने मेरे बारे में कुछ भी बुरा नहीं कहा है। मैं चाहूंगा कि वे बिल की बजाय मेरी आलोचना करें, क्योंकि बिल शानदार है। यह हमारे देश के इतिहास में सबसे बड़ी कटौती है। ट्रम्प ने आगे कहा- इलॉन को इस बिल की पूरी जानकारी थी, शायद यहां बैठे किसी भी इंसान से ज्यादा। उन्हें इससे कोई समस्या नहीं थी। उन्हें अचानक दिक्कत तब हुई, जब पता चला कि हमें इलेक्ट्रिक व्हीकल (ई.वी) मैंडेट में कटौती करनी होगी, क्योंकि इसमें अरबों डॉलर का खर्च है। मैं उनकी बात समझ सकता हूं, लेकिन उन्हें बिल की हर बात पता थी। उन्होंने कभी कोई शिकायत नहीं की, लेकिन वे जैसे ही हमारी सरकार से अलग हुए, उनकी राय बदल गई। मैं इलॉन से बहुत निराश हूं। मैंने उनकी बहुत मदद की है। मस्क ने ट्रम्प के दावे को झूठा बताते हुए कहा, 'मुझे टैक्स और खर्च बिल बिल के बारे में कुछ नहीं पता था। ट्रम्प का दावा झूठा है।' मस्क ने एक्स पर लिखा- यह झूठ है। मुझे यह बिल कभी नहीं दिखाया गया और इसे आधी रात को इतनी जल्दी पास किया गया कि कांग्रेस (संसद) के किसी भी सांसद को इसे पढ़ने का मौका तक नहीं मिला। दरअसल, बाइडेन सरकार ने एक नीति बना रखी थी जिसमें कार कंपनियों को ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने को कहा गया था।

ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए चीन से फ्यूल मंगाया

रिपोर्ट- 800 मिसाइलें बन सकती हैं; बीजिंग ने पल्ला झाड़ा, कहा- हमें जानकारी नहीं

एजेंसी

तेहरान/बीजिंग, ईरान ने चीन से हजारों टन ठोस ईंधन और रॉकेट ऑक्सिडाइजर अमोनियम परक्लोरेट मंगवाया है। इससे वह 800 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलें बना सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक यह शिपमेंट आने वाले महीनों में ईरान पहुंचेगा और इसका मकसद है ईरान की कमजोर हो चुकी सैन्य ताकत को दोबारा खड़ा करना। इजराइल के हालिया हमलों के बाद ईरान अपने मिसाइल स्टॉक को फिर से भरने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक यह फ्यूल ईरान की एक कंपनी पिशगामन तेजरत रफी नोविन ने हॉन्गकॉन्ग स्थित से लायन कमोडिटीज होल्डिंग्स लिमिटेड मंगवाया है। इस रिपोर्ट के बाद चीन की सरकार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस डील की कोई जानकारी नहीं है और चीन हमेशा डुअल-यूज (सैन्य और नागरिक दोनों उपयोग) वाली चीजों के निर्यात पर कड़ी नजर रखता है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने पहले भी कहा है कि ईरान के मिसाइल कार्यक्रम में चीनी कंपनियों और लोगों की भूमिका रही है। अप्रैल में अमेरिका ने चीन, हॉन्गकॉन्ग और ईरान की 12 कंपनियों और व्यक्तियों पर पाबंदी भी

लगाई थी। फरवरी और मार्च में ईरान के बंदर रजई बंदरगाह पर एक भीषण विस्फोट हुआ था जिसमें एमोनियम परक्लोरेट के फटने की बात सामने आई थी। माना जा रहा है कि यह वही सामग्री थी जो चीन से आई थी। यह 260 शॉर्ट रेंज मिसाइलें बनाने के लिए काफी था। ईरान ने इस विस्फोट की आधिकारिक पुष्टि नहीं की, लेकिन इससे यह साफ हुआ कि ईरान चुपचाप चीन से मिसाइल ईंधन खरीद रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट कहती है कि यह डील ट्रम्प के ईरान को परमाणु वार्ता का प्रस्ताव देने से पहले ही तय हो चुकी थी। इजराइल ने अक्टूबर 2024 में ईरान पर हमले किए थे। इन हमलों में ईरान के 12 प्लैनेटरी मिक्सर्स नष्ट हो गए थे। ये मिक्सर्स, मिसाइलों के लिए ईंधन तैयार करने के काम आते हैं। ईरान अब इन संयंत्रों की मरम्मत कर रहा है ताकि बैलिस्टिक मिसाइल प्रोडक्शन फिर से शुरू किया जा सके। दूसरी तरफ अमेरिका और इजराइल, यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को लगातार निशाना बना रहे हैं। इससे ईरान का अहम प्रॉक्सी कमजोर हुआ है। सीरिया में बशर अल-असद की सत्ता के गिरने से भी ईरान की पकड़ ढीली हुई है।

लेबनान के हिजबुल्लाह पर हुए हमलों ने भी ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव को झटका दिया है।

रूस का यूक्रेन पर जवाबी हमला

400 से ज्यादा ड्रोन और 40 मिसाइलें दागीं; 4 की मौत, 50 घायल; पुतिन ने कहा था- बदला जरूर लूंगा

एजेंसी

रूस ने बीती रात यूक्रेन की राजधानी कीव और प्रमुख शहरों पर 400 से ज्यादा ड्रोन और 40 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। यह हमला रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत के एक दिन बाद हुआ। इन हमलों में यूक्रेन के 4 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 50 से ज्यादा से घायल हैं। रूस के हमले के बीच सभी यूक्रेनी क्षेत्रों में हवाई हमले की

चेतावनी जारी कर दी गई है। यूक्रेन की एयरफोर्स ने कहा कि रूस के टीयू-95 एमएस बाम्बर एयरक्राफ्ट ने क्रूज मिसाइलें दागीं है। यूक्रेन के कीव, टर्नोपिल, खमेलनित्सकी, ल्विव और लुत्स्क से विस्फोटों की खबरें सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 4 जून को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ यूक्रेन और ईरान के मुद्दे पर करीब 75 मिनट बात की थी। ट्रम्प ने बताया था कि पुतिन ने कहा कि वो यूक्रेन की तरफ से हाल ही में रूस के अंदर किए गए ड्रोन अटैक का बदला लेंगे। यूक्रेन ने 1 जून को रूस के एयरबेस पर ड्रोन हमला किया था। इन हमलों में रूस के 5 एयरबेस पर मौजूद 41 एयरक्राफ्ट्स को निशाना गया। यूक्रेन ने इस ऑपरेशन को स्पाइडर वेब नाम दिया था। यूक्रेनी मीडिया के अनुसार कीव में ड्रोन हमलों से कई जगह आग लग गई। जिसके कारण कम से कम 4 लोग मारे गए और 20 घायल हुए, जिनमें 16 को अस्पताल में भर्ती किया गया। हमले में कई रिहायशी इमारतों, पेट्रोल पंप, शैक्षणिक संस्थान और मेट्रो लाइन को भी नुकसान पहुंचा है। हमले के कारण यूक्रेन के डार्निट्सिया और लिवोबेरेज्ना स्टेशनों के बीच मेट्रो लाइन पर ट्रैक और केबल क्षतिग्रस्त हो गए

'डबल इंजन सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है...

राजस्थान सरकार पर सचिन पायलट का निशाना

एजेंसी

राजस्थान में भाजपा सरकार के दो साल पूरे हो चुके हैं। ऐसे में जहां बीजेपी अपनी तारीफों के पुल बांध रही हैं वहीं विपक्ष राज्य सरकार की कमियां गिना रहा है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने गुरुवार को कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार प्रशासन पर अपनी पकड़ खो चुकी है और सत्ता के कई केंद्र इसकी बागडोर अपने हाथ में ले रहे हैं। उन्होंने कहा, उनके बीच इतना तनाव है कि सरकार अपनी पकड़ खो चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार पंचायतों और अन्य स्थानीय निकायों के चुनाव कराने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने राजस्थान सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल पर कटाक्ष करते हुए शुक्रवार को कहा कि डबल इंजन सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिकारी हावी हैं और मनमर्जी से काम होता है। पायलट ने टोंक में मीडिया से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा, पूरा देश यह जान चुका है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है, कामयाब नहीं हो रहा। डबल इंजन सरकार का संदर्भ केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने राजस्थान सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल पर कटाक्ष करते हुए शुक्रवार को कहा कि डबल इंजन सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिकारी हावी हैं और मनमर्जी से काम होता है।

सरकार होने के लिए दिया जाता है। सरकार का पूरा ध्यान सिर्फ दिल्ली के आकाओं को खुश करने में लगा - पायलट उन्होंने कहा, सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल को देखकर लगता है कि जो काम हम करके गये थे, जो हमने शुरू कर दिए थे और मंजूर कर दिए थे, वे इन कामों की देखरेख भी नहीं कर पा रहे। पायलट ने कहा, यह बहुत दुखद बात है कि सरकार का पूरा ध्यान सिर्फ दिल्ली के आकाओं को खुश करने में लगा हुआ है। अपनी कुर्सी बचाने के लिए पूरी सरकार सत्ता के संघर्ष में लगी है। अधिकारी हावी हैं। मनमर्जी से काम होता है। बड़े-बड़े पदों पर बैठे सत्ताधारी लोगों की कोई सुन नहीं रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर जनता का पूरा भरोसा है और आने वाले समय में लोगों का आशीर्वाद उसे मिलेगा। एक बयान के अनुसार पायलट ने टोंक में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें बिजली, पेयजल और आम जनता की अन्य समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिये।

2027 में पीडीए सरकार में ही सही ढंग से होगी जाति जनगणना : अखिलेश यादव

मीडिया से बात करते हुए यादव ने कहा कि 2027 में पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) सरकार में जाति जनगणना होगी। तभी जनगणना सही तरीके से हो पाएगी। इसके अलावा अखिलेश यादव ने दावा किया कि आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज का एक अधूरा संग्रहालय है, जिसे समाजवादी पार्टी की सरकार न केवल पूरा कराएगी, बल्कि लखनऊ में शिवाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा भी स्थापित करेगी।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि जाति जनगणना 2027 में पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) सरकार के तहत ही ठीक से की जाएगी। मीडिया से बात करते हुए यादव ने कहा कि 2027 में पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) सरकार में जाति जनगणना होगी। तभी जनगणना सही तरीके से हो पाएगी। इसके अलावा अखिलेश यादव ने दावा किया कि आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज का एक अधूरा संग्रहालय है, जिसे समाजवादी पार्टी की सरकार न केवल पूरा कराएगी, बल्कि लखनऊ में शिवाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा भी स्थापित करेंगे।अखिलेश यादव ने कहा, ₹छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे महान व्यक्तित्व के सम्मान में...आगरा में एक अधूरा संग्रहालय है, जिसके वास्तुकार विश्व प्रसिद्ध हैं...हम समाजवादी न केवल उनके नाम पर संग्रहालय बनाएंगे, बल्कि लखनऊ रिवरफ्रंट पर छत्रपति शिवाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा भी स्थापित करेंगे; उनका सिंहासन सोने का बना होगा। समाजवादी 2027 में भी उन्हें इसी तरह सम्मानित करेंगे।₹ उत्तर प्रदेश में 2027 में अगला विधानसभा चुनाव दो सबसे प्रमुख पार्टियों यानी भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच होगा। कांग्रेस के सपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने की संभावना है।मौजूदा सत्र में उत्तर प्रदेश विधानसभा में 403 निर्वाचित सदस्य हैं, जिनमें से 258 भारतीय जनता पार्टी, 107 समाजवादी पार्टी और 13 अपना दल के हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय लोक दल के नौ, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के छह, निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल के पांच, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक और कांग्रेस के दो-दो और बहुजन समाज पार्टी का केवल एक प्रतिनिधि है।

पाकिस्तान जैसी है राहुल गांधी की भाषा

करना चाहिए इनका बहिष्कार, कांग्रेस नेता पर गिरिराज सिंह का वार

गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का अपमान नहीं हो रहा है। 1971 में सेना जीती थी या इंदिरा जी जीती थीं? सेना जीती थी। अटल जी विपक्ष में थे और उन्होंने कहा था कि अब कोई पार्टी नहीं है, सिर्फ भारत है।

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'बेकार' बताया और उन पर सेना का अपमान करने का आरोप लगाया। सिंह ने ये टिप्पणियां राहुल गांधी के बिहार दौरे पर टिप्पणी करते हुए कीं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की बातें पाकिस्तान जैसी हैं और वह देश का सम्मान नहीं करते। पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा, 'राहुल गांधी ने भारत के पराक्रम का विरोध किया, सेना की बहादुरी पर सवाल उठाए और दुनिया भर में सेना की प्रतिष्ठा को धूमिल किया। बिहार की जनता उनका विरोध करेगी, वह ऐसे व्यक्ति को वोट क्यों देगी जो सेना और देश का सम्मान नहीं करता? राहुल गांधी की जुबान पाकिस्तान जैसी है और वह देश का सम्मान नहीं करते।'गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का अपमान नहीं हो रहा है। 1971 में सेना जीती थी या इंदिरा जी जीती थीं? सेना जीती थी। अटल जी विपक्ष में थे और उन्होंने कहा था कि अब कोई पार्टी नहीं है, सिर्फ भारत है। और ये निकम्मा आदमी (राहुल गांधी) देश की वीरता और सेना का मजाक उड़ा रहा है। ऐसे आदमी का बहिष्कार किया जाना चाहिए। विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को बिहार के गया एयरपोर्ट पहुंचे। कांग्रेस के आधिकारिक अकाउंट एक्स के अनुसार, वे 'संविधान सम्मेलन' को संबोधित करेंगे और कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

अपने जानमाल की रक्षा स्वयं करें, तेजस्वी का एनडीए सरकार पर निशाना

बोले- बिहार में अपराधी बेलगाम

राजद नेता ने कहा कि एम्स में इतनी अत्यवस्था है। मरीजों के परिजन सड़कों पर आराम कर रहे हैं। मरीजों को बेड नहीं मिल रहे हैं। सीएम की मानसिक स्थिति बेसुध है और अब वे अपने पद पर बने रहने में असमर्थ हैं। वहीं, एक एक्स पोरट में उन्होंने लिखा कि सूचना जनहित में जारी।

एजेंसी

बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज है। नेताओं के बीच एक-दूसरे पर आरोप और प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बिहार में कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश सरकार पर निशाना साधा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराधी बेलगाम हैं। लगातार कई घटनाएं सामने आ रही हैं और पुलिस बेबस नजर आ रही है। सरकार भी सो रही है, ऐसा लग रहा है जैसे उन्हें कुछ करना ही नहीं है। राजद नेता ने कहा कि एम्स में इतनी अव्यवस्था है। मरीजों के परिजन सड़कों पर आराम कर रहे हैं।

मरीजों को बेड नहीं मिल रहे हैं। सीएम की मानसिक स्थिति बेसुध है और अब वे अपने पद पर बने रहने में असमर्थ हैं। वहीं, एक एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि सूचना जनहित में जारी। बिहार में सतर्क रहे, सचेत रहे, सावधान रहे! अपने जानमाल की रक्षा स्वयं करें क्योंकि बिहार में 20 वर्षों की एनडीए सरकार के सत्ता संरक्षित अपराधी कभी भी, कहीं भी, कैसे भी कुछ भी वारदात कर सकते है।

इससे पहले तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की ताकि समाज के कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाकर 85 फीसदी करने के लिए नये विधेयक पेश किए जा सकें।

राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने यह पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया। पत्र में उन्होंने नीतीश सरकार पर इस मुद्दे पर जानबूझकर टालमटोल करने का आरोप लगाया। तेजस्वी जब बिहार के उपमुख्यमंत्री थे, तब राज्य में कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाकर 75 फीसदी कर दिया गया था।